हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार 10 मई 2026

11 आकर्षक प्रस्तुतियों से माताओं ने व्यक्तित्व का दिया परिचय

12 लोक अदालत में चार साल पुरानी कड़वाहट खत्म, फिर जुड़े दो...

वेस्टर्न डिस्टरबेंस : तपिश के बीच राहत की उम्मीद, कल से बदल सकता है मौसम, बूंदाबांदी के संकेत

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले में मई माह के साथ गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार को फतेहाबाद का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर के समय बाजारों और मुख्य सडक़ों पर आवाजाही सामान्य दिनों की तुलना में कम रही। बढ़ती गर्मी के बीच अब मौसम विभाग ने आगामी दिनों में मौसम के मिजाज में बदलाव की संभावना जताई है, जिससे लोगों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

14 मई तक मौसम परिवर्तनशील रहने की संभावना, गरज और चमक के साथ चल सकती हैं तेज हवाएं

साइक्लोनिक सर्कुलेशन बनने की संभावना

चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ के अनुसार हरियाणा प्रदेश में 14 मई तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील रहने की संभावना है। विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान में बताया गया है कि 10 मई की रात एक पश्चिमी विक्षोभ पहाड़ी क्षेत्रों की ओर सक्रिय होगा। इसके साथ ही राजस्थान के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बनने की संभावना भी जताई गई है। इन दोनों मौसम प्रणालियों के आंशिक प्रभाव से हरियाणा के मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार 11 मई से 13 मई के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं। इस दौरान बीच-बीच में तेज हवाएं चलने की संभावना है। कुछ क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ हल्की बूंदाबांदी या बारिश भी हो सकती है।

फतेहाबाद। वेस्टर्न डिस्टरबेंस से शहर में बदला मौसम। फोटो : हरिभूमि

क्या कहते हैं मौसम वैज्ञानिक

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बदलाव के कारण तापमान में अधिक वृद्धि होने की संभावना फिलहाल कम है और लोगों को तेज गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक दिन के तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा, लेकिन रात के तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। मौसम में नमी बढऩे से उमस का असर भी महसूस किया जा सकता है। वहीं तेज हवाओं के कारण कुछ समय के लिए मौसम सुहावना बना रह सकता है। मौसम विशेषज्ञों ने किसानों को सलाह दी है कि वे मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए कृषि कार्यों की योजना बनाएं। विशेष रूप से खेतों में रखी फसलों, पशु चारे और कृषि उपकरणों को सुरक्षित स्थान पर रखने की सलाह दी गई है ताकि तेज हवाओं या संभावित बूंदाबांदी से नुकसान न हो। जिन किसानों ने हाल ही में सिंचाई की है, उन्हें मौसम की स्थिति पर नजर बनाए रखने के लिए कहा गया है। गर्मी बढऩे के साथ शहर में ठंडे पेय पदार्थों, जूस और आइसक्रीम की मांग भी बढ़ गई है। दोपहर के समय लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। वहीं मौसम में बदलाव और हल्की बारिश की संभावना की खबर से लोगों को आने वाले दिनों में राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

खबर संक्षेप

सिरसा में आज सुबह 9 बजे से बिजली रहेगी बाधित

सिरसा। शहर के कई इलाकों में शनिवार 10 मई को बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। बिजली निगम की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार 132 केवी सब स्टेशन बरनाला रोड सिरसा से नई फीडर लाइन चालू करने का कार्य किया जाएगा, जिसके चलते निर्धारित समय तक बिजली आपूर्ति बंद रखी जाएगी। निगम के अधिकारियों के अनुसार सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक बिजली सप्लाई प्रभावित रहेगी। इस दौरान शहर के हाउसिंग बोर्ड, डीसी कॉम्प्लेक्स, मिनी सचिवालय और अग्रवाल कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी।

श्री रघुनाथ मंदिर में ताली कीर्तन आज

फतेहाबाद। शहर के शिव चौक स्थित श्री रघुनाथ मंदिर में रविवार, 10 मई को भव्य ताली कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। यह 158वां ताली कीर्तन होगा, जिसमें शहर व आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। आयोजक मंडल ताली कीर्तन, भट्टू मंडी के अनुसार कार्यक्रम शाम 6:15 बजे शुरू होगा। इस दौरान श्रद्धालु मधुर भजनों के साथ ताली कीर्तन कर भगवान की भक्ति में लीन होंगे और आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। मंदिर प्रधान टेक चंद मिड्ढा ने बताया कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

हथियारों के साथ रील बनाने पर युवक काबू

फतेहाबाद। सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन कर आमजन में भय पैदा करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत भूना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपनी इंस्टाग्राम आईडी पर हथियारों के साथ फोटो और रील अपलोड कर कानून की अवहेलना कर रहा था। आरोपी की पहचान मोनू पुत्र जगदीश, निवासी बैजलपुर, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। थाना भूना प्रभारी उप निरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि पुलिस टीम गांव बैजलपुर में गश्त पर तैनात थी। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि मोनू औला नाम की इंस्टाग्राम आईडी से हथियारों के प्रदर्शन की फोटो और रील्स अपलोड की जा रही हैं।

गलियों में सड़ता कचरा बना महामारी का खतरा

9 दिन से कूड़े में दबी शहर की सांसें, प्रशासन बना तमाशबीन

करोड़ों खर्च के बावजूद सफाई व्यवस्था ठप

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

शहर की सफाई व्यवस्था पिछले 9 दिनों से पूरी तरह भगवान भरोसे चल रही है। नगरपरिषद कर्मचारियों की हड़ताल के चलते न तो गलियों की सफाई हो रही है और न ही घरों व डंपिंग प्वाइंट से कचरा उठाया जा रहा है। हालत यह हो गई है कि शहर की शायद ही कोई गली, मोहल्ला या मुख्य सड़क बची हो, जहां कूड़े के ढेर नजर न आ रहे हों। भीषण गर्मी के बीच सड़ते कचरे से उठ रही बदबू ने लोगों का घरों से निकलना मुश्किल कर दिया है, लेकिन शासन और प्रशासन मानो आंखें मूंदकर बैठा हुआ है। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब डोर-टू-डोर कचरा उठाने और डंपिंग प्वाइंट साफ करने का जिम्मा पहले से निजी एजेंसी को सौंपा गया है और इसके बदले नगरपरिषद हर साल करोड़ों रुपये का भुगतान करती है, तो आखिर शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप कैसे हो गई। शहरवासी सवाल उठा रहे हैं कि करोड़ों रुपये लेने वाली एजेंसी संकट के समय आखिर गायब क्यों हो गई। एजेंसी के कर्मचारियों का कहना है कि वे कचरा उठाने निकलते हैं तो हड़ताली कर्मचारी विरोध करते हैं, लेकिन प्रशासन ने इस पूरे विवाद को सुलझाने के बजाय चुप्पी साध रखी है।

संकट के समय एजेंसियां गायब

फतेहाबाद। शहर में सड़कों पर फैला कूड़ा। फोटो : हरिभूमि

फतेहाबाद। धरने को संबोधित करते राज्य प्रधान नरेश शास्त्री। फोटो : हरिभूमि

प्रशासन पर लापरवाही का आरोप

लोगों का कहना है कि यह केवल सफाई व्यवस्था की विफलता नहीं बल्कि शासन-प्रशासन की गंभीर लापरवाही और मिसमैनेजमेंट का उदाहरण है। पिछले वर्षों में जब ऐसी स्थिति बनी थी, तब तत्कालीन उपायुक्त हरदीप सिंह ने रातों-रात पूरे शहर से कचरा उठवाकर व्यवस्था संभाल ली थी, लेकिन इस बार प्रशासनिक मशीनरी पूरी तरह निष्क्रिय नजर आ रही है। नौ दिन गुजर जाने के बावजूद न कोई ठोस रणनीति बनाई गई और न ही लोगों को राहत दिलाने के प्रयास दिखाई दिए। शहर के समाजसेवियों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि हड़ताल जल्द खत्म नहीं हुई तो फतेहाबाद में महामारी फैलने का खतरा पैदा हो सकता है। जगह-जगह जमा कचरे में मच्छर और आवारा पशु मंडरा रहे हैं। कई इलाकों में नालियों के पास कूड़ा जमा होने से हालात और बदतर हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह-शाम बदबू के कारण घरों के दरवाजे खोलना मुश्किल हो गया है।

सिरसा। हड़ताल के चलते शहर में लगे कूड़े के ढेर। फोटो : हरिभूमि

हड़तालि कर्मचारियों ने दी चेतावनी, नहीं उठाने देंगे कूड़ा

- यूनियन के राज्य प्रधान पहुंचे सिरसा, कहा सरकार ने की वादाखिलाफी

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के आठवें दिन शनिवार को हरियाणा नगर पालिका कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान नरेश कुमार सिरसा नगरपरिषद पहुंचे। धरना स्थल पर कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने सरकार और प्रशासन को कड़ी चेतावनी दी कि मांगें पूरी न होने तक हड़ताल जारी रहेगी और शहर से कचरा उठान पर पूरी तरह रोक लगी रहेगी। शास्त्री ने हाल ही में कुछ कर्मचारियों को हिरासत में लिए जाने की निंदा करते हुए कहा कि सरकार ने पक्का करने का आश्वासन दिया था, लेकिन वादा खिलाफी की गई। यदि मांगों पर तुरंत कार्रवाई नहीं हुई तो हड़ताल और अधिक उग्र रूप लेगी, जिससे पूरे शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाएगी। उन्होंने कर्मचारियों का हौसला बढ़ाते हुए आश्वासन दिया कि संघ पूरे प्रदेश स्तर पर इस आंदोलन का समर्थन करेगा।

मांगें पूरी न होने तक जारी रहेगा आंदोलन

दूसरी ओर नगरपरिषद कर्मचारियों की हड़ताल शनिवार को नौवें दिन में प्रवेश कर गई। कर्मचारियों ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, आंदोलन जारी रहेगा। धरने की अध्यक्षता इकाई प्रधान नरेश राणा ने की जबकि संचालन सचिव ओमप्रकाश लोट ने किया। धरने में नगरपालिका कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान नरेश शास्त्री और हरियाणा अग्निशमन कर्मचारी यूनियन के राज्य प्रधान राजेंद्र सिन्दद भी पहुंचे। कर्मचारी नेताओं ने आरोप लगाया कि हिसार, सिरसा और डबवाली सहित कई जिलों में प्रशासन पुलिस बल के सहारे जबरन कचरा उठवाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताया। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने दमनकारी रवैया जारी रखा तो आंदोलन और उग्र होगा। धरने में वक्ताओं ने सरकार की ठेका प्रथा पर भी सवाल उठाए। उन्होंने मांग की कि सभी ठेका कर्मचारियों को विभाग के रोल पर लेकर नियमित किया जाए।

प्रमुख मांगें

सफाई कर्मचारियों की प्रमुख मांग नियमितीकरण, वेतन समानता, पुरानी पेंशन बहाली और अन्य सुविधाओं की है। प्रदेश भर में लगभग 30,000 सफाई एवं अग्निशमन कर्मचारी हड़ताल पर हैं। हड़ताल को 11 मई 2026 तक बढ़ा दिया गया है।

कचरा 1500 मिट्रिक टन

शहर में हड़ताल के चलते करीब 900 मीट्रिक टन कचरा इकट्ठा हो चुका है, जबकि पूरे जिले में यह आंकड़ा 1500 मीट्रिक टन के करीब पहुंच गया है। बाजारों, गलियों, बस स्टैंड और डंपिंग पॉइंट्स पर कूड़े के ढेर लग गए हैं। सडक़ों पर भयंकर बदबू फैल रही है और मच्छरजनित बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ गया है। पशु कचरे में भोजन ढूंढ रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य समस्याएं और बढ़ रही हैं।

विधायक ने दिया समर्थन

स्थानीय विधायक गोकुल सेतिया ने धरने पर पहुंचकर कर्मचारियों से मुलाकात की और उनकी मांगों को जायज बताते हुए विधानसभा में मुद्दा उठाने का आश्वासन दिया। वहीं, नगर परिषद चेयरमैन की ओर से अभी तक कोई ठोस बयान नहीं आया है, जिससे कर्मचारियों में रोष बढ़ गया है।

नई सड़क के बीचोंबीच छोड़ा पेड़

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले के भूना क्षेत्र में नई बनी भूना-ढाणी सांचला सड़क निर्माण में बड़ी लापरवाही सामने आई है। सड़क के बिल्कुल बीचोंबीच एक पेड़ छोड़ दिया गया है, जिससे हादसों का खतरा बढ़ गया है। खास बात यह है कि जिस स्थान पर पेड़ छोड़ा गया है, वहीं सड़क पर मोड़ भी बना हुआ है। ऐसे में रात के समय या तेज रफ्तार में आने वाले वाहन ड्राइवरों के लिए यह पेड़ जानलेवा साबित हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस पेड़ को हटवाने की मांग की है, ताकि यहां खतरा टाला जा सके। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क के कुछ हिस्से का निर्माण कार्य एक दिन पहले ही पूरा हुआ है। सड़क बनने के बाद जब लोगों ने यहां से आवाजाही शुरू की, तो बीच सडक़ में खड़े पेड़ को देखकर हैरानी जताई। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण एजेंसी और संबंधित विभाग की ओर से इस गंभीर समस्या की अनदेखी की गई है। हालांकि, पेड़ पर टेप लगाई गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क पर मोड़ होने के कारण सामने से आने वाला वाहन अचानक दिखाई देता है।

- वाहन चालकों को हादसों का खतरा ग्रामीण बोले, लापरवाही बरती गई

फतेहाबाद। सड़क के बीचों-बीच लगा पेड़। फोटो : हरिभूमि

भारी वाहनों की शहर में रहेगी नो एंट्री

- ट्रैफिक दबाव और जाम की समस्या से निपटने के लिए लिया फैसला

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव और जाम की समस्या से निपटने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सुचारू बनाने हेतु विशेष मास्टर प्लान लागू किया गया है। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने बताया कि शहर में आमजन को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध करवाने और सडक़ सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कई ठोस कदम उठाए गए हैं। एसपी दीपक सहारन ने बताया कि शहर के मुख्य बाजारों, व्यस्त मार्गों और चौक-चौराहों पर भारी वाहनों की आवाजाही के कारण अक्सर जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती थी, जिससे आम नागरिकों, व्यापारियों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। इसी समस्या के समाधान के लिए अब शहर में सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक भारी वाहनों की एंट्री पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है।

सिरसा। ट्रैफिक एसएचओ चिह्नित स्थानों पर नो एंट्री बोर्ड लगाते हुए।

दिए निर्देश

एसपी दीपक सहारन के निर्देश पर यातायात थाना प्रभारी धर्मचंद ने शहर के मुख्य मार्गों पर स्वंय पंहुकर भारी वाहनों की नो एंट्री प्रवेश के साइन बोर्ड लगवाते हुए कहा कि शहर में प्रवेश करने वाले 6 प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों पर भारी वाहन नो एंट्री संबंधी साइन बोर्ड स्थापित कर दिए गए हैं, ताकि वाहन चालकों को पहले से ही यातायात नियमों की जानकारी मिल सके। शहर के महाराणा प्रताप चौक, किसान चौक,सावित्रि बाई फुल्ले चौक,अरोड़ वंश चौक,सैन चौक,शाह सतनाम सिंह चौक पर मुख्य रुप से साइन बोर्ड स्थापित किए जा चुके है यदि फिर भी भारी वाहन चालक नियमों की अनदेखी करता है।

जैन स्कूल में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

शहर के भादरा बाजार स्थित सेठ सागरमल सुराना जैन गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार रात्रि को लगी आग में रिकॉर्ड जलकर राख हो गया। यह आग स्कूल के मेन गेट के पास बिजली की मेन लाइन में फॉल्ट होने से भडक़ गई। पास बने रिकॉर्ड रूम और हॉल में फैल गई। वहां पर करीब पिछले 5-7 सालों का रिकॉर्ड रखा हुआ था, जिसमें ये आग लगी। हॉल में बिजली फीटिंग, पंखे व अलमीरा व कंप्यूटर एवं फर्नीचर में फैल गई। इससे काफी नुकसान हुआ है। सूचना मिलने पर शनिवार सुबह अभिभावक व स्कूल कार्यकारिणी के सदस्यों ने स्कूल का अवलोकन किया। बताया जा रहा है कि स्कूल के मेन गेट के पास ही बिजली कनेक्शन स्विच है, जहां से सप्लाई आगे जाती है। वहीं पर फॉल्ट हो गया। संस्था से प्रधान मक्खन लाल गोयल ने बताया कि गत रात्रि को स्कूल का चौकीदार यहां तैनात था। करीब 10 बजे उसे आग लगने का पता चला। कुछ देर में वह मौके पर पहुंचे और फायर गाडिय़ां भी पहुंची। संबंधित थाना पुलिस को सूचना दी गई। फायर विभाग की करीब तीन गाड़ियों ने करीब डेढ घंटे में आग को बुझाया।

चुनाव 2107 मतदाता दो मतदान केंद्रों पर करेंगे वोट, ईवीएम की कमिश्निंग और मॉक जांच पूरी

कुलां व तामसपुरा में सरपंच चुनाव आज, मतदाता चुनेंगे सरपंच

- गुरप्रीत सिंह और मलकीत सिंह के बीच सीधा मुकाबला

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

रतिया विधानसभा क्षेत्र के नागपुर ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले गांव तामसपुरा व टोहाना के गांव कुलां में सरपंच पद के लिए चुनावी रणभेरी बज चुकी है। शुक्रवार शाम को चुनाव प्रचार का शोर थमने के साथ ही अब सबकी नजरें 10 मई रविवार को होने वाले मतदान पर टिक गई हैं। गांव तामसपुरा के 2107 मतदाता दो मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग कर गांव की सरकार चुनेंगे। सहायक चुनाव प्रभारी एवं रतिया खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी हनीश कुमार ने बताया कि सरपंच पद के लिए मुख्य रूप से गुरप्रीत सिंह और मलकीत उर्फ मलकियत सिंह के बीच मुकाबला है। शुक्रवार को दोनों उम्मीदवारों की मौजूदगी में ईवीएम मशीनों की कमिश्निंग और मॉक जांच की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

फतेहाबाद। उपचुनाव के लिए रवाना होती पोलिंग पार्टियां। फोटो : हरिभूमि

पोलिंग पार्टियां रवाना

फतेहाबाद। ग्राम पंचायत कुलां में सरपंच पद के लिए 10 मई को होने वाले उपचुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शनिवार को खंड कार्यालय टोहाना में पोलिंग पार्टियों को प्रशिक्षण देने के बाद चुनाव सामग्री वितरित कर उन्हें मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी अनूप सिंह ने इस दौरान कुलां मतदान केंद्र का निरीक्षण कर पोलिंग पार्टियों को शांतिपूर्वक मतदान करवाने के निर्देश दिए। बीडीपीओ ने बताया कि कुलां सरपंच पद के उपचुनाव के लिए मतदान 10 मई को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक होगा।

सिरसा में भी सुरक्षा के कड़े प्रबंध

सिरसा। जिला के ऐलनाबाद व रानियां खंड में 10 मई को होने वाले पंचायती उपचुनावों को लेकर पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से कड़े प्रबंध किए हैं। सिरसा के एसपी दीपक सहारण ने शनिवार शाम चार बजे के दौरान को बताया कि सभी पर्यवेक्षक अधिकारियों एवं ऐलनाबाद व रानियां थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि संवेदनशील तथा अति संवेदनशील मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए तथा चुनाव मतदान केंद्रों पर स्वयं पहुंचकर स्थिति का जायजा लें तथा आवश्यक सतर्कता बरती जाए। इसके अलावा संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार गश्त के लिए पेट्रोलिंग पार्टियां नियुक्त की गई हैं ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके। उन्होंने संबंधित थाना प्रभारियों एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मतदान प्रक्रिया के दौरान आमजन के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार रखें और उनका सहयोग प्राप्त करें। साथ ही संदिग्ध एवं असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखते हुए उनके खिलाफ तुरंत एवं सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

आईटीआर रिटर्न भरते समय बरतें सावधानी, छोटी गलती भी भारी

बिजनेस डेस्क

आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल करना आज के डिजिटल दौर में पहले की तुलना में काफी आसान हो गया है, लेकिन इसमें लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। हर साल बड़ी संख्या में लोग खुद ही ऑनलाइन आईटीआर भरते हैं, फिर भी छोटी-छोटी गलतियों के कारण उनका रिटर्न अटक जाता है या उन्हें इनकम टैक्स विभाग से नोटिस मिल जाता है। कई बार लोग गलत फॉर्म चुन लेते हैं, तो कभी अपनी आय की पूरी जानकारी नहीं देते। वहीं, कुछ करदाता रिटर्न भरने के बाद उसका ई-वेरिफिकेशन करना ही भूल जाते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया अधूरी रह जाती है। इसके अलावा पर्सनल डिटेल्स में त्रुटि, टैक्स रिजीम का गलत चयन या फॉर्म 26एएस और एआईएस से मिलान न करना भी भारी पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि आईटीआर फाइल करते समय हर स्टेप को समझदारी और सावधानी के साथ पूरा किया जाए, ताकि किसी भी तरह की परेशानी से बचा जा सके।

सही फॉर्म का चयन पहली शर्त

■ आईटीआर फाइलिंग की प्रक्रिया में सबसे अहम कदम है सही फॉर्म का चुनाव।
■ आईटीआर-1 उन व्यक्तियों के लिए है जिनकी आय सैलरी, एक मकान और अन्य स्रोतों से होती है।
■ आईटीआर-2 उन लोगों के लिए है जिनकी बिजनेस इनकम नहीं है, लेकिन अन्य स्रोतों से आय है।
■ आईटीआर-3 बिजनेस या प्रोफेशन से जुड़े लोगों के लिए होता है।
■ आईटीआर-4 अनुमानित आय वालों के लिए है।
■ गलत फॉर्म चुनने से आपका रिटर्न रिजेक्ट हो सकता है या प्रोसेस में देरी हो सकती है।

ई-वेरिफिकेशन भूलना पड़ सकता है भारी

आईटीआर फाइल करने के बाद सबसे बड़ी गलती जो लोग करते हैं, वह है उसे वेरिफाई न करना। अगर आपने 30 दिनों के भीतर अपने रिटर्न को ई-वेरिफाई नहीं किया, तो इसे मान्य नहीं माना जाएगा। आप नेट बैंकिंग, आधार ओटीपी या ईवीसी के जरिए आसानी से वेरिफिकेशन कर सकते हैं।

पर्सनल डिटेल्स में गलती रोक सकती है रिफंड

■ नाम, पता, पैन, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि या असेसमेंट ईयर जैसी जानकारी में छोटी सी गलती भी आपके रिफंड को रोक सकती है।
■ इसलिए फॉर्म भरते समय हर जानकारी को दोबारा जांचना बेहद जरूरी है।
■ साथ ही टैक्स रिजीम (पुरानी या नई) का गलत चयन भी आपकी टैक्स देनदारी को प्रभावित कर सकता है।
■ पूरी आय का खुलासा करना जरूरी
■ -कई करदाता सिर्फ सैलरी इनकम ही दिखाते हैं और अन्य स्रोतों को नजरअंदाज कर देते हैं।

आईटीआर में हर तरह की आय दिखाएं

■ बैंक ब्याज ■ किराया ■ कैपिटल गेन■ अन्य आय
■ यहां तक कि टैक्स फ्री आय को भी दिखाना चाहिए, ताकि आप सही तरीके से छूट का दावा कर सकें।

26एएस और एआईएस से जरूर करें मिलान

■ आईटीआर भरते समय फॉर्म 26एएस और एनुएल इंफोर्मेशन स्टेटमेंट (एआईएस) का मिलान जरूरी है।
■ इनमें आपके टीडीएस, टीसीएस और एडवांस टैक्स की पूरी जानकारी होती है।
■ अगर जानकारी और इन रिकॉर्ड्स में अंतर पाया गया, तो रिफंड अटक सकता है या नोटिस मिल सकता है
■ अगर आपने एक वित्त वर्ष में एक से अधिक कंपनियों में काम किया है, तो हर कंपनी से फॉर्म 16 लेना जरूरी है। ऐसा न करने पर आपकी कुल आय गलत दिख सकती है और टैक्स कैलकुलेशन भी प्रभावित हो सकता है।

एडवांस टैक्स समय पर भरें

■ एडवांस टैक्स न भरना या देर से भरना भी एक आम गलती है। ■ इसे चार किस्तों में भरना होता है।
■ 15 जून■ 15 सितंबर■ 15 दिसंबर■ 15 मार्च
■ समय पर भुगतान नहीं तो 1% तक की पेनल्टी।

सावधानी ही बचाव

आईटीआर फाइलिंग एक जरूरी वित्तीय जिम्मेदारी है, जिसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। छोटी-छोटी गलतियां न सिर्फ आपके रिफंड को रोक सकती हैं, बल्कि आपको टैक्स नोटिस का सामना भी करना पड़ सकता है। इसलिए सही फॉर्म का चयन, सभी आय का खुलासा, दस्तावेजों का मिलान और समय पर वेरिफिकेशन ये सभी कदम बेहद महत्वपूर्ण हैं। अगर आप थोड़ी सावधानी और समझदारी से आईटीआर फाइल करते हैं, तो न सिर्फ प्रक्रिया आसान हो जाएगी, बल्कि आप किसी भी तरह की परेशानी से भी बच सकेंगे।

बाजार गिरे या चढ़े, बढ़ेगा पैसा ऐसे बनाएं निवेश का मास्टर प्लान

एक्सपर्ट के 5 फॉर्मूले अपनाने से आपका पोर्टफोलियो बनेगा 'मुनाफे की मशीन'

70:30 फॉर्मूला सुरक्षित निवेश और तेज ग्रोथ का संतुलन बनाएगा

मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियां बनती हैं लंबी रेस के घोड़े, विविधीकरण से घटेगा जोखिम

बिजनेस डेस्क

भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है, लेकिन 2026 का बाजार पहले से ज्यादा जटिल और अवसरों से भरा हुआ नजर आ रहा है। ऐसे समय में निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होता है कैसे निवेश करें, ताकि जोखिम भी कम रहे और रिटर्न भी बेहतर मिले? पर्सनल फाइनेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि सही रणनीति, अनुशासन और धैर्य के साथ कोई भी निवेशक अपने पोर्टफोलियो को "मुनाफे की मशीन" में बदल सकता है। आज के दौर में केवल शेयर खरीदना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह समझना भी जरूरी है कि किस तरह का पोर्टफोलियो हर तरह के बाजार चाहे तेजी हो या गिरावट में संतुलन बनाए रख सके। निवेश का असली खेल 'टाइमिंग' नहीं, बल्कि 'टाइम इन मार्केट' है। यानी जितना ज्यादा समय आप बाजार में टिके रहते हैं, उतना ही ज्यादा कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में निवेश के लिए '70:30' का फॉर्मूला सबसे प्रभावी रणनीतियों में से एक माना जा रहा है। इस फॉर्मूले के तहत निवेशक अपने पोर्टफोलियो का 70% हिस्सा मजबूत और स्थापित कंपनियों में लगाते हैं, जिन्हें 'कोर होल्डिंग्स' कहा जाता है। ये कंपनियां मजबूत बैलेंस शीट, बेहतर मैनेजमेंट और स्थिर आय के लिए जानी जाती हैं। बाजार में गिरावट के समय यही कंपनियां आपके निवेश को सुरक्षा देती हैं। वहीं, बाकी 30% हिस्सा 'टैक्टिकल इन्वेस्टमेंट' के लिए रखा जाता है। इसमें उभरते हुए सेक्टर्स, हाई ग्रोथ कंपनियां या शॉर्ट-टर्म ट्रेंड्स को ध्यान में रखकर निवेश किया जाता है। यह हिस्सा आपके पोर्टफोलियो को अतिरिक्त ग्रोथ देने का काम करता है। इस तरह यह फॉर्मूला सुरक्षा और आक्रामक ग्रोथ के बीच संतुलन बनाता है।

गिरावट में घबराएं नहीं, मौके पहचानें, धैर्य बनाए रखें

सही कंपनी का चयन ही असली खेल

शेयर बाजार में सफल निवेश केवल सही समय पर पैसा लगाने से नहीं, बल्कि सही कंपनी चुनने से तय होता है। विशेषज्ञों के अनुसार निवेश करने से पहले कंपनी के बिजनेस मॉडल, वित्तीय स्थिति और उसकी 'इकोनॉमिक मोट' को समझना बेहद जरूरी है। 'इकोनॉमिक मोट' का अर्थ उस विशेष ताकत से है, जो किसी कंपनी को प्रतिस्पर्धियों से अलग और मजबूत बनाती है। यह ताकत मजबूत ब्रांड वैल्यू, उन्नत तकनीक, बड़ा मार्केट शेयर, कम लागत पर उत्पादन या ग्राहकों का भरोसा हो सकती है।यदि किसी कंपनी का कारोबार लगातार बढ़ रहा हो, उसका कर्ज नियंत्रित हो और प्रबंधन पारदर्शी तरीके से काम करता हो, तो बाजार में आने वाली अस्थायी गिरावट का उस पर सीमित असर पड़ता है। ऐसी कंपनियां लंबे समय में निवेशकों को स्थिर और बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि केवल सोशल मीडिया ट्रेंड, अफवाहों या 'हॉट टिप्स' के आधार पर निवेश करना जोखिम बढ़ा सकता है। निवेशकों को जल्दबाजी से बचते हुए कंपनी के फंडामेंटल्स, भविष्य की संभावनाओं और बिजनेस की गुणवत्ता का गहराई से विश्लेषण करना चाहिए।

विविधीकरण और लंबी अवधि

निवेश की दुनिया में एक पुरानी कहावत है "सारे अंडे एक टोकरी में मत रखो।" यही सिद्धांत शेयर बाजार में भी लागू होता है। विविधीकरण का मतलब है अपनी पूंजी को अलग-अलग सेक्टर्स और कंपनियों में बांटना ताकि किसी एक सेक्टर में गिरावट का असर पूरे पोर्टफोलियो पर न पड़े। उदाहरण के तौर पर, अगर आप केवल आईटी सेक्टर में निवेश करते हैं और उस सेक्टर में गिरावट आती है, तो आपका पूरा निवेश प्रभावित हो सकता है। लेकिन अगर आपने फाइनेंशियल, कंजम्पशन, मैन्युफैक्चरिंग और फार्मा जैसे अलग-अलग सेक्टर्स में निवेश किया है, तो एक सेक्टर की कमजोरी दूसरे सेक्टर की मजबूती से संतुलित हो सकती है। इसके साथ ही, लंबी अवधि का नजरिया बेहद जरूरी है। कई निवेशक छोटी-छोटी गिरावट से घबरा जाते हैं और जल्दबाजी में अपने निवेश को बेच देते हैं। लेकिन इतिहास बताता है कि जो निवेशक लंबे समय तक टिके रहते हैं, वही असली फायदा उठाते हैं। कंपाउंडिंग की ताकत समय के साथ ही काम करती है और धीरे-धीरे आपकी संपत्ति को कई गुना बढ़ा देती है और आपको पता भी नहीं चलता।

भावनाओं पर नियंत्रण सफल निवेशक की असली पहचान

शेयर बाजार में सफलता केवल ज्ञान या जानकारी से नहीं मिलती, बल्कि आपके व्यवहार और मानसिकता पर भी निर्भर करती है। बाजार में गिरावट के समय घबराहट और तेजी के समय लालच ये दोनों भावनाएं निवेशकों को गलत फैसले लेने पर मजबूर करती हैं। एक सफल निवेशक वही होता है जो इन भावनाओं पर नियंत्रण रख सके। जब बाजार गिरता है, तो उसे खतरे के बजाय अवसर के रूप में देखना चाहिए बशर्ते कंपनी के फंडामेंटल्स मजबूत हों। वहीं, तेजी के दौर में बिना सोचे-समझे निवेश करने से बचना चाहिए। एक तरह से निवेश में 'इमोशनल फायरवॉल' बनाना जरूरी है, जो आपको बाजार के शोर से दूर रखे और आपके फैसलों को तार्किक बनाए रखे। अनुशासन और धैर्य ही लंबे समय में बड़ी संपत्ति बनाने का आधार होते हैं।

सादगी, अनुशासन व धैर्य ही असली मंत्र

2026 के बदलते आर्थिक माहौल में निवेश करना चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन असंभव नहीं। अगर आप 70:30 का संतुलित फॉर्मूला अपनाते हैं, मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियों को चुनते हैं, अपने निवेश को विविध बनाते हैं और भावनाओं पर नियंत्रण रखते हैं, तो बाजार की हर स्थिति में अपनी संपत्ति को बढ़ा सकते हैं। याद रखें, शेयर बाजार में कोई शॉर्टकट नहीं होता। यहां सफलता उन्हीं को मिलती है जो धैर्य रखते हैं, अनुशासन का पालन करते हैं और लंबी अवधि के लिए निवेश करते हैं। अगर आप इन सिद्धांतों पर टिके रहते हैं, तो बाजार चाहे गिरे या चढ़े आपकी दौलत लगातार बढ़ती जाएगी।

डिफेंस म्यूचुअल फंड्स में 25% की छलांग मौका या जोखिम? ऐसे में क्या करें निवेशक

- एक माह की रैली ने निवेशकों के लिए बढ़ाया आकर्षण
- लेकिन एक्सपर्ट्स ने दे दी सावधानी बरतने की सलाह
- जियोपॉलिटिकल हालात व बढ़ते रक्षा खर्च ने दी रफ्तार
- चक्रीय प्रकृति वाला डिफेंस सेक्टर, उतार-चढ़ाव को रहें तैयार

पिछले एक महीने में डिफेंस सेक्टर से जुड़े म्यूचुअल फंड्स ने करीब 20% से 25% तक का शानदार रिटर्न दिया है। इतनी तेज बढ़त ने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है और कई लोग इस सेक्टर में निवेश के अवसर तलाशने लगे हैं। लेकिन बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस तेजी के पीछे मजबूत फंडामेंटल्स से ज्यादा जियोपॉलिटिकल कारण और बाजार का मोमेंटम जिम्मेदार है। ऐसे में बिना सोचे-समझे निवेश करना जोखिम भरा साबित हो सकता है। जानकारों के अनुसार, निवेशकों को सिर्फ हालिया रिटर्न देखकर फैसले नहीं लेने चाहिए। बाजार में छोटी अवधि की तेजी अक्सर बाहरी घटनाओं से प्रभावित होती है, जबकि लंबी अवधि में किसी भी निवेश का प्रदर्शन उसकी कमाई, वैल्यूएशन और बिजनेस ग्रोथ पर निर्भर करता है।

जियोपॉलिटिकल तनाव बना तेजी का बड़ा कारण

डिफेंस सेक्टर में आई हालिया तेजी का मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी परिस्थितियां हैं। जब दुनिया में अस्थिरता बढ़ती है, तो सरकारें रक्षा खर्च बढ़ाती हैं, जिससे इस सेक्टर की कंपनियों को अधिक ऑर्डर मिलने लगते हैं। इसका सीधा असर इन कंपनियों के शेयरों और उनसे जुड़े म्यूचुअल

फंड्स पर पड़ता है। हालांकि लंबे समय में डिफेंस सेक्टर की संभावनाएं मजबूत हैं जैसे कि भारत में स्वदेशीकरण को बढ़ावा, बढ़ता रक्षा बजट और मजबूत ऑर्डर बुक, लेकिन इस सेक्टर में प्रोजेक्ट्स को पूरा होने में समय लगता है।

'मोमेंटम फेज' में है डिफेंस सेक्टर

फिलहाल डिफेंस सेक्टर एक 'मोमेंटम फेज' से गुजर रहा है। यानी बाजार में तेजी से पैसा आ रहा है और निवेशकों का झुकाव इस सेक्टर की ओर बढ़ गया है। एक ही महीने में 20-25% तक का रिटर्न इस बात का संकेत है कि कीमतें कंपनियों के वास्तविक प्रदर्शन से ज्यादा बाजार की भावना और निवेश के फ्लो से प्रभावित हैं।

एसआईपी बनाम लंपसम : कैसे करें निवेश?

हालिया तेजी के बाद डिफेंस सेक्टर के वैल्यूएशन ऊंचे हो चुके हैं। ऐसे में एकमुश्त (लंपसम) निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। इसके बजाय एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए धीरे-धीरे निवेश करना बेहतर विकल्प है। एसआईपी का फायदा यह है कि निवेशक बाजार के उतार-चढ़ाव को औसत कर सकता है और जोखिम को कम कर सकता है।

डाइवर्सिफिकेशन ही सुरक्षित रास्ता

एक्सपर्ट्स का मानना है कि सीधे डिफेंस सेक्टर में निवेश करने के बजाय डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में निवेश करना ज्यादा सुरक्षित है। जैसे फ्लेक्सी कैप, मल्टी कैप और लार्ज एंड मिड कैप फंड्स—ये विभिन्न सेक्टर्स में निवेश करते हैं और जोखिम को संतुलित रखते हैं। इन फंड्स में डिफेंस सेक्टर का एक्सपोजर भी होता है, लेकिन यह सीमित होता है, जिससे निवेशक को इस सेक्टर की ग्रोथ का फायदा तो मिलता है, लेकिन जोखिम कम रहता है। डिफेंस म्यूचुअल फंड्स में हालिया तेजी आकर्षक जरूर है, लेकिन यह स्थायी नहीं हो सकती। निवेशकों को केवल शॉर्ट टर्म रिटर्न देखकर निर्णय लेने से बचना चाहिए।

रिस्क है, लेकिन सही प्लान के साथ यही बन सकता है सबसे बड़ा मौका

धैर्य, मेहनत और स्मार्ट प्लानिंग से शुरू करें काम

जॉब छोड़ें व बन जाएं खुद के बॉस, कम निवेश में तगड़ी कमाई के रास्ते बदलते दौर में नौकरी नहीं, स्किल और सोच भी बन रही है असली ताकत

आइडिया

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में सिर्फ नौकरी पर निर्भर रहना कई लोगों को सीमित लगता है। बढ़ती महंगाई, सीमित सैलरी ग्रोथ और काम का दबाव ये सभी कारण लोगों को खुद का बिजनेस शुरू करने की ओर प्रेरित कर रहे हैं। हालांकि नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना एक बड़ा और जोखिम भरा फैसला होता है, लेकिन सही योजना, स्किल और मार्केट की समझ के साथ यह कदम आपकी जिंदगी बदल सकता है। अगर आप भी अपने करियर में बदलाव चाहते हैं और खुद का काम शुरू करने की सोच रहे हैं, तो मौजूदा ट्रेंड्स के आधार पर कुछ ऐसे बिजनेस आइडियाज हैं, जिन्हें कम निवेश में शुरू करके अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। खास बात यह है कि इनमें से ज्यादातर काम आप अपनी मौजूदा स्किल्स के दम पर ही शुरू कर सकते हैं। इससे आप खुद के बॉस बनकर अच्छी कमाई कर सकते हैं और अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकते हैं।

नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना बड़ा और चुनौतीपूर्ण फैसला होता है। इसमें केवल उत्साह ही नहीं, बल्कि सही रणनीति, धैर्य और लगातार मेहनत की भी जरूरत होती है। बिना तैयारी या केवल दूसरों को देखकर लिया गया निर्णय कई बार आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ा सकता है।

सही योजना बदल सकती है जिंदगी

नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना आसान नहीं है, लेकिन सही दिशा में उठाया गया कदम आपकी पूरी जिंदगी बदल सकता है। इन 5 बिजनेस आइडियाज की खासियत यह है कि ये वर्तमान ट्रेंड्स पर आधारित हैं और इनमें ग्रोथ की जबरदस्त संभावनाएं हैं। अगर आप धैर्य, मेहनत और स्मार्ट प्लानिंग के साथ काम करते हैं, तो शुरुआत छोटी हो सकती है, लेकिन सफलता बड़ी जरूर होगी। हालांकि नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना एक बड़ा और चुनौतीपूर्ण फैसला होता है। इसमें केवल उत्साह ही नहीं, बल्कि सही रणनीति, धैर्य और लगातार मेहनत की भी जरूरत होती है। बिना तैयारी या केवल दूसरों को देखकर लिया गया निर्णय कई बार आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ा सकता है। इसलिए किसी भी नए बिजनेस की शुरुआत से पहले अपने कौशल, अनुभव, बजट और बाजार की वास्तविक जरूरतों को समझना बेहद जरूरी है।

कंसल्टेंसी/फ्रीलांसिंग : अनुभव कमाई का जरिया

आज का समय 'स्किल इकॉनमी' का है, जहां आपकी योग्यता ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी होती है। अगर आपने किसी कॉर्पोरेट सेक्टर में काम किया है जैसे आईटी, मार्केटिंग, एचआर या फाइनेंस तो आप आसानी से कंसल्टेंसी या फ्रीलांसिंग एजेंसी शुरू कर सकते हैं। इस बिजनेस में आपको बड़े ऑफिस या भारी निवेश की जरूरत नहीं होती। एक लैपटॉप, अच्छा इंटरनेट और प्रोफेशनल नेटवर्क ही आपकी शुरुआत के लिए काफी हैं। शुरुआत में आप छोटे क्लाइंट्स के साथ काम करके धीरे-धीरे अपनी टीम बना सकते हैं। कंसल्टेंसी बिजनेस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें कमाई की कोई सीमा नहीं होती। शुरुआती स्तर पर ही 50 हजार से 1.5 लाख रुपये महीना कमाना संभव है।

क्लाउड किचन : खाने के बिजनेस में मौका

खाने-पीने का बिजनेस हमेशा से लाभदायक रहा है, लेकिन अब इसका स्वरूप बदल चुका है। आज लोग रेस्टोरेंट जाने के बजाय घर बैठे खाना ऑर्डर करना ज्यादा पसंद करते हैं। यही वजह है कि क्लाउड किचन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। क्लाउड किचन की खासियत यह है कि इसमें आपको रेस्टोरेंट की तरह महंगा सेटअप या बड़ी जगह की जरूरत नहीं होती। आप अपने घर से या छोटे किचन स्पेस से भी शुरुआत कर सकते हैं। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर रजिस्ट्रेशन करके आप अपने प्रोडक्ट को बड़े बाजार तक पहुंचा सकते हैं। इस बिजनेस में लागत अपेक्षाकृत कम होती है, जबकि मुनाफे की संभावना ज्यादा होती है। सही क्वालिटी और मार्केटिंग के साथ आप पहले ही महीने से अच्छी कमाई शुरू कर सकते हैं।

ई-कॉमर्स/ड्रॉपशिपिंग : स्मार्ट तरीका

डिजिटल इंडिया के इस दौर में ऑनलाइन बिजनेस तेजी से बढ़ रहा है। ई-कॉमर्स और ड्रॉपशिपिंग ऐसे मॉडल हैं, जिनमें आप बिना ज्यादा निवेश के अपना ऑनलाइन स्टोर शुरू कर सकते हैं। ड्रॉपशिपिंग की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें आपको प्रोडक्ट स्टॉक करने की जरूरत नहीं होती। जब ग्राहक ऑर्डर करता है, तो सप्लायर सीधे उस प्रोडक्ट को ग्राहक तक पहुंचाता है। इससे आपको गोदाम या इन्वेंट्री की चिंता नहीं रहती। यह बिजनेस पूरी तरह से ऑटोमेशन और डिजिटल मार्केटिंग पर आधारित है। सही रणनीति के साथ आप घर बैठे ही अच्छी कमाई कर सकते हैं। टेक गैजेट्स, किचन आइटम्स, हैंडीक्राफ्ट्स और इको-फ्रेंडली प्रोडक्ट्स जैसे सेगमेंट में काफी संभावनाएं हैं। यह बिजनेस धीरे-धीरे आपको 'पैसिव इनकम' का स्रोत भी दे सकता है, जहां आप सोते हुए भी कमाई कर सकते हैं।

ईवी चार्जिंग/ग्रीन एनर्जी : कल बनें लीडर

इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता ने एक नए बिजनेस सेक्टर को जन्म दिया है ईवी चार्जिंग स्टेशन। आने वाले वर्षों में यह सेक्टर तेजी से बढ़ने वाला है, जिससे इसमें निवेश करने वालों के लिए बड़े अवसर पैदा हो रहे हैं। आप रेजिडेंशियल सोसाइटी, मॉल या कमर्शियल एरिया में ईवी चार्जिंग पॉइंट लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। इसके साथ ही, ईवी मेंटेनेंस और रिपेयरिंग सर्विस जोड़कर अपनी आय को और बढ़ा सकते हैं। हालांकि इस बिजनेस में शुरुआती निवेश थोड़ा ज्यादा होता है, लेकिन इसकी लॉन्ग-टर्म संभावनाएं बेहद मजबूत हैं। अगर आप शुरुआती दौर में इस सेक्टर में कदम रखते हैं, तो आने वाले समय में बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं।

डिजिटल कंटेंट/ऑनलाइन कोर्स

अगर आपके पास किसी विषय की गहरी जानकारी है चाहे वह स्टॉक मार्केट हो, पढ़ाई, फिटनेस, कुकिंग या टेक्नोलॉजी तो आप उसे डिजिटल कंटेंट या ऑनलाइन कोर्स के रूप में बदल सकते हैं। आज के समय में यूट्यूब, सोशल मीडिया और ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म्स के जरिए लाखों लोग अपनी स्किल्स को बिजनेस में बदल रहे हैं। इस मॉडल की खासियत यह है कि इसमें आप खुद का ब्रांड बनाते हैं और आपकी कमाई आपकी मेहनत और पहचान पर निर्भर करती है। शुरुआत में आपको एक अच्छे स्मार्टफोन, माइक्रोफोन और बेसिक एडिटिंग सेटअप की जरूरत होती है। जैसे-जैसे आपका कंटेंट लोकप्रिय होता है, आपकी कमाई भी तेजी से बढ़ती जाती है। यह बिजनेस आपको नाम, पैसा और स्वतंत्रता तीनों देता है।

पहली ईएमआई चल रही है, फिर भी चाहिए लोन?

- एफओआईआर का खेल : इनकम का कितना हिस्सा ईएमआई में जा रहा
- ईएमआई ज्यादा तो लोन मुश्किल, बैंक कैसे तय करते हैं आपकी क्षमता
- लोन का टाइप भी अहम : होम, पर्सनल या क्रेडिट कार्ड का फर्क

सावधानी

बिजनेस डेस्क

आज के समय में लगभग हर दूसरा व्यक्ति किसी न किसी लोन की ईएमआई चुका रहा है। चाहे वह होम लोन हो, कार लोन या फिर क्रेडिट कार्ड का बकाया। ऐसे में जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है, तो सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि क्या पहले से ईएमआई चलने के बावजूद नया लोन मिल सकता है? जवाब है हां, मिल सकता है, लेकिन इसके लिए कुछ जरूरी शर्तों को पूरा करना होता है। बैंक सिर्फ आपकी सैलरी देखकर लोन मंजूर नहीं करते, बल्कि यह भी देखते हैं कि आपकी आय का कितना हिस्सा पहले से ईएमआई में जा रहा है और आपके पास कितना पैसा बच रहा है। यही गणित तय करता है कि आप नए लोन के लिए योग्य हैं या नहीं।

ईएमआई घटाएं, लोन की राह बनाएं, छोटे बदलाव का बड़ा असर

एफओआईआर क्या है

जब आप किसी बैंक या फाइनेंशियल संस्थान में लोन के लिए आवेदन करते हैं, तो सबसे पहले आपकी आय और खर्च का विश्लेषण किया जाता है। इसमें एक अहम भूमिका निभाता है एफओआईआर यानी फिक्स्ड ऑब्जेक्शन टू इनकम रेशियो। एफओआईआर यह बताता है कि आपकी कुल मासिक आय का कितना हिस्सा पहले से चल रही ईएमआई में खर्च हो रहा है। उदाहरण के तौर पर, अगर आपकी सैलरी 1 लाख रुपये है और आप 40,000 रुपये ईएमआई दे रहे हैं, तो आपका एफओआईआर 40% होगा। बैंक आमतौर पर 50% से कम एफओआईआर को सुरक्षित मानते हैं। अगर यह अनुपात 60% या उससे ज्यादा हो जाता है, तो बैंक को लगता है कि आप पर कर्ज का बोझ ज्यादा है, जिससे नए लोन की मंजूरी मुश्किल हो सकती है।

ईएमआई ज्यादा होने पर मुश्किल

जितनी ज्यादा आपकी मौजूदा ईएमआई होगी, उतनी ही कम आपकी नई लोन लेने की क्षमता होगी। बैंक यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आप नया लोन भी बिना किसी परेशानी के चुका सकें। अगर आपकी आय का बड़ा हिस्सा पहले से ईएमआई में जा रहा है, तो बैंक के लिए यह जोखिम बढ़ जाता है कि आप भविष्य में भुगतान करने में चूक कर सकते हैं। इसी वजह से ज्यादा ईएमआई वाले ग्राहकों को या तो लोन नहीं मिलता या फिर कम राशि का लोन ऑफर किया जाता है।

लोन का प्रकार भी करता है असर

■ सिर्फ ईएमआई की राशि ही नहीं, बल्कि यह भी मायने रखता है कि आपका लोन किस प्रकार का है।
■ होम लोन : इसे सबसे सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि इसके बदले संपत्ति गिरवी होती है।
■ कार लोनः मध्यम जोखिम की श्रेणी में आता है।
■ पर्सनल लोनः इसमें जोखिम ज्यादा होता है, क्योंकि यह बिना किसी गारंटी के दिया जाता है।
■ क्रेडिट कार्ड बकायाः इसे सबसे ज्यादा जोखिम वाला माना जाता है।
■ बैंक ऐसे ग्राहकों को प्राथमिकता देते हैं, जिनका कर्ज संतुलित और नियंत्रित होता है। अगर आपके पास ज्यादा अनसिक्योर्ड लोन (जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड) हैं, तो नया लोन मिलने में दिक्कत हो सकती है।

क्या ईएमआई कम करके बढ़ा सकते हैं लोन की संभावना?

अगर आप नया लोन लेना चाहते हैं, तो अपनी मौजूदा ईएमआई को कम करना एक अच्छा उपाय हो सकता है। इसके लिए आप छोटे-छोटे लोन पहले बंद कर सकते हैं। मान लीजिए आपकी सैलरी 1 लाख रुपये है और ईएमआई 50,000 रुपये है (एफओआईआर = 50%)। अगर आप 5,000 रुपये की ईएमआई वाला लोन बंद कर देते हैं, तो एफओआईआर घटकर 45% हो जाएगा। इससे आपकी लोन लेने की क्षमता बढ़ सकती है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि लोन बंद करने के बाद इसका असर आपके क्रेडिट रिकॉर्ड में दिखने में 30–45 दिन का समय लग सकता है।

क्रेडिट स्कोर बनाम ईएमआई

लोन लेते समय क्रेडिट स्कोर भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आमतौर पर 750 या उससे अधिक का स्कोर अच्छा माना जाता है और इससे बैंक का भरोसा बढ़ता है। लेकिन सिर्फ अच्छा क्रेडिट स्कोर होना ही काफी नहीं है। अगर आपकी ईएमआई पहले से ज्यादा है और एफओआईआर उच्च स्तर पर है, तो लोन मिलने में परेशानी हो सकती है।

सरल शब्दों में ऐसे समझें

■ क्रेडिट स्कोर बैंक का भरोसा बढ़ाता है
■ एफओआईआर (ईएमआई का बोझ) तय करता है कि कितना लोन मिलेगा
■ नया लोन लेने से पहले ध्यान रखें ये बातें
■ अपनी सभी ईएमआई की सही जानकारी बैंक को दें, कुछ भी छिपाने की कोशिश न करें।
■ कोशिश करें कि आपकी कुल ईएमआई आपकी आय के 40% के आसपास ही रहे।
■ छोटे और अनावश्यक लोन को पहले बंद करें।
■ क्रेडिट कार्ड का बकाया समय पर चुकाएं।
■ खर्च और कर्ज के बीच संतुलन बनाए रखें।
■ सही बैलेंस से ही मिलेगा नया लोन

सही संतुलन बनाए रखें

अगर आपके ऊपर पहले से ईएमआई चल रही है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपको नया लोन नहीं मिल सकता। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी आय, खर्च और कर्ज के बीच सही संतुलन बनाए रखें। एफओआईआर को नियंत्रित रखना, क्रेडिट स्कोर अच्छा बनाए रखना और अनावश्यक कर्ज से बचना— ये तीन बातें आपको आसानी से नया लोन दिला सकती हैं। सही प्लानिंग के साथ आप न सिर्फ नया लोन ले सकते हैं, बल्कि अपनी वित्तीय स्थिति को भी मजबूत बना सकते हैं।

खबर संक्षेप

ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर काटे 150 चालान

सिरसा। जिला यातायात प्रभारी धर्मचंद जाखड़ ने शनिवार को शहरभर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में एक बार फिर नियमों की अवहेलना करने वालों पर शिकंजा कसा। इस कड़ी में उन्होंने शनिवार को राष्ट्रीय राजमार्ग हिसार रोड सहित शहर के विभिन्न स्थानों पर शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की जांच करते हुए 3 चालान किए। साथ ही हैलमेट न पहनने, दोपहिया वाहनों पर तीन सवारियों के बैठने, आवश्यक दस्तावेजों के न होने व चौपहिया वाहनों में सीट बेल्ट आदि न लगाने के 150 चालान किए। इस दौरान निरीक्षक धर्मचंद जाखड़ ने स्पष्ट किया कि शहर में यातायात व्यवस्था को किसी भी प्रकार से प्रभावित नहीं होने दिया।

गुरु-शिष्य परंपरा योजना 2026-27 के लिए आवेदन आमंत्रित

सिरसा। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज के माध्यम से संचालित गुरु-शिष्य परंपरा योजना वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न लोक कलाओं एवं पारंपरिक विधाओं में आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस योजना का उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लुप्तप्राय लोक कलाओं और दुर्लभ पारंपरिक विधाओं का संरक्षण एवं संवर्धन करना है। योजना के अंतर्गत लोकगायन, लोकनाट्य, लोक चित्रकला, दुर्लभ वाद्ययंत्र तथा लोक नृत्यों जैसी विधाओं में अनुभवी कलाकारों से आवेदन मांगे गए हैं। सरकार का प्रयास है कि पारंपरिक कला विधाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाकर उन्हें संरक्षित किया जाए, ताकि देश की सांस्कृतिक पहचान को मजबूती मिल सके। योजना के लिए निर्धारित पात्रता के अनुसार आवेदक की आयु 50 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। साथ ही संबंधित कला क्षेत्र में कम से कम 20 वर्षों का अनुभव होना अनिवार्य है।

एपेक्स कॉन्वेंट स्कूल में मातृ-अभिनंदन समारोह मनाया

आकर्षक प्रस्तुतियों से माताओं ने व्यक्तित्व और कौशल का दिया प्रभावशाली परिचय

- कार्यक्रम का शुभारंभ केक काटकर तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

एपेक्स कॉन्वेंट स्कूल में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में मातृ-अभिनंदन समारोह अत्यंत हर्ष एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ केक कटिंग समारोह से हुआ, जिसे चंद्रकांता चराईपोत्रा, रीत मक्कड़ एवं कियारा अनेजा द्वारा संपन्न किया गया।

इस अवसर पर स्कूल संरक्षक सतीश चराइपोत्रा, संचालक अमित मक्कड़, प्रधानाचार्य मोहित अनेजा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. रोमी तुली एवं नेहा शर्मा मौजूद रही।

विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में दी गई आकर्षक प्रस्तुतियों के अंतर्गत माताओं ने आत्मविश्वास, सौम्यता एवं व्यक्तित्व-कौशल का प्रभावशाली परिचय दिया, जिसने उपस्थित जनसमूह को विशेष रूप से प्रभावित किया।

फतेहाबाद। एपेक्स स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में विजेताओं को सम्मानित करते स्कूल प्रबंधक। *फोटो : हरिभूमि*

इन्हें किया सम्मानित

समारोह के दौरान विभिन्न श्रेणियों में सम्मान अलंकरण भी प्रदान किए गए। श्रेष्ठ माता सम्मान रिधम की माता, आत्मविश्वासी माता सम्मान उनाया की माता, सौम्य व्यक्तित्व सम्मान कियांश की माता, आकर्षक व्यक्तित्व सम्मान नक्ष की माता को प्रदान किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मातृत्व के प्रति आदर, स्नेह एवं कृतज्ञता की भावनाओं को सजीव कर दिया। उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की मुक्तकंठ से सराहना की। समारोह के समापन अवसर पर विद्यालय संचालक अमित मक्कड़ एवं प्रधानाचार्य मोहित अनेजा ने माताओं को मातृ दिवस की शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए उनके स्नेह, त्याग एवं प्रेरणादायी योगदान को नमन किया तथा कार्यक्रम में सहभागिता हेतु आभार व्यक्त किया।

पायनियर कॉन्वेंट स्कूल में मातृ दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

फतेहाबाद। पायनियर कॉन्वेंट स्कूल में कक्षा प्रथम एवं द्वितीय के विद्यार्थियों के लिए मातृ दिवस समारोह का आयोजन बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम प्रेम, खुशी और अपनत्व की भावना से परिपूर्ण रहा तथा सभी के लिए यादगार बन गया। इस अवसर पर माताओं ने अपने बच्चों के साथ तथा समूह में नृत्य प्रस्तुतियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को विशेष बना दिया। रंग-बिरंगे एवं आकर्षक परिधानों में सजे विद्यार्थियों ने अपनी माताओं को समर्पित शानदार प्रस्तुतियाँ देकर नृत्य, संगीत और मुस्कान के माध्यम से अपने प्रेम एवं सम्मान को व्यक्त किया। विद्यालय परिसर को भी अत्यंत सुंदर ढंग से सजाया गया था, जो मातृत्व की गरिमा और स्नेह को दर्शा रहा था। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रस्तुति एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता के लिए विद्यार्थियों एवं माताओं को सम्मानित भी किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने सभी माताओं को मातृ दिवस की शुभकामनाएं देते हुए बच्चों के जीवन निर्माण में माताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। चेयरपर्सन शीलू निर्मोही, प्राचार्या गीतिका मेहता, उप-प्राचार्या मैत्री निर्मोही एवं तनु भाटिया ने सभी माताओं का कार्यक्रम में सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया।

फतेहाबाद। पायनियर स्कूल में बच्चों को सम्मानित करते टीचर्स। *फोटो : हरिभूमि*

फतेहाबाद। गांधी विद्या मंदिर स्कूल में कार्यक्रम की प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

गांधी विद्या मंदिर में विद्यार्थियों ने किया नृत्य

फतेहाबाद। सेक्टर -12 स्थित गांधी विद्या मंदिर स्कूल में मदर्स डे धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का आरंभ वाइस प्रिंसिपल मोनिका शर्मा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन करके किया। कक्षा नौवीं की छात्रा सुहावनी व आरती ने मंच संचालक की भूमिका अदा की। प्रथम, द्वितीय व तृतीय श्रेणी के विद्यार्थियों ने अपने नृत्य के माध्यम से मां के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। कविता के माध्यम से कक्षा पांचवी की छात्रा दीपिका व हर्षिता ने मां के त्याग और बलिदान को चित्रित किया। कक्षा छठी, सातवीं, आठवीं व नौवीं के विद्यार्थियों ने अपने नृत्य के माध्यम से माँ की कोमल भावनाओं को आलोकित किया। इस कार्यक्रम की कोरियोग्राफी सोनम द्वारा कराई गई। माताओं को उनके योगदान को समर्पित करते हुए सम्मानित भी किया। मंच की साज सज्जा रजनी तथा स्नेहा की देखरेख में करवाई गई। कक्षा छठी व सातवीं के छात्रों ने भांगड़ा के माध्यम से अपनी मां के अटूट प्रेम को चित्रित किया। प्रिंसिपल सुशील शर्मा ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी बच्चों को पुरस्कृत किया तथा उन्होंने सभी बच्चों व अध्यापकों को मातृ दिवस की शुभकामनाएं दी।

मां का प्रेम, त्याग व आशीर्वाद सबसे बड़ी शक्तिः सीमा

ओढां। एमएम मेमोरियल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, ओढ़ा में मदर्स डे बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए मदर्स डे विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें नन्हे बच्चों ने रंगों के माध्यम से मां के प्रति अपने प्रेम और सम्मान को सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया। वहीं तीसरी से पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए कार्ड निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने आकर्षक एवं भावनात्मक कार्ड बनाकर अपनी माताओं के प्रति सम्मान और स्नेह व्यक्त किया। सभी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर स्कूल प्रबंधन की ओर से सम्मानित किया गया।

मातृत्व को मिलेगा सम्मान, 'ज़िन्दगी' संस्था 50 संघर्षशील माताओं का करेगी अभिनंदन

माताओं की सुख-समृद्धि व दीर्घायु के लिए होगा हवन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

- मां केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं बल्कि समाज निर्माण की सबसे मजबूत कड़ी : सैनी

मातृत्व दिवस के अवसर पर सामाजिक सरोकारों के लिए सक्रिय संस्था ज़िन्दगी द्वारा 10 मई को अनाज मंडी स्थित राम सेवा समिति धर्मशाला में भव्य मातृत्व अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में जिले की करीब 50 ऐसी संघर्षशील माताओं को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने बच्चों को मेहनत, संस्कार और मजबूत इरादों के बल पर सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाया। कार्यक्रम के दौरान मातृत्व सम्मान के साथ-साथ सभी माताओं के स्वस्थ, सुखमय और दीर्घायु जीवन की कामना को लेकर विशेष हवन यज्ञ का आयोजन भी किया जाएगा। आयोजन को लेकर संस्था सदस्यों में उत्साह बना हुआ है और तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। रविंदर सैनी ने कहा कि यह आयोजन केवल सम्मान समारोह नहीं, बल्कि समाज को मातृत्व के त्याग, संघर्ष, संस्कार और प्रेरणा की शक्ति से जोड़ने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि मां केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं बल्कि समाज निर्माण की सबसे मजबूत कड़ी होती है। ऐसे में मातृत्व का सम्मान करना हर व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। उन्होंने बताया कि समारोह के माध्यम से युवाओं को भी मां के संघर्ष, समर्पण और संस्कारों के महत्व से अवगत करवाया जाएगा, ताकि समाज में पारिवारिक मूल्यों और सम्मान की भावना और मजबूत हो सके।

कई नामचीन हस्तियां समारोह में होंगी शामिल

संस्था प्रवक्ता रविंदर सैनी ने बताया कि समारोह में भारत सरकार से पद्मश्री सम्मानित बाबा गुरविंदर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला परिषद चेयरपर्सन सुमन खिचड़ करेंगी। उन्होंने बताया कि समारोह में खेल, शिक्षा, समाजसेवा और युवा प्रेरणा से जुड़ी कई नामचीन हस्तियां भी मौजूद रहेंगी। इनमें भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पुनिया के पिता महेंद्र पुनिया, एवरेस्ट विजेता मनीषा पायल, नशा मुक्त हरियाणा अभियान की ब्रांड एंबेसडर सियाज पुनिया, स्वच्छ भारत मिशन ब्रांड एंबेसडर दीक्षा सचदेवा, एनएसएस स्टेट अवॉर्डी श्रुति मोंगा तथा भजन गायिका पल्लवी शर्मा सहित विभिन्न क्षेत्रों की कई गणमान्य हस्तियां शामिल होंगी।

टोहाना में बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़

सीआईए व पुलिस ने 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार, 8 बाइक बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

जिला पुलिस द्वारा वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीआईए टोहाना और थाना शहर टोहाना की संयुक्त टीम को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने एक सक्रिय बाइक चोर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की गई 8 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। तीनों युवक जींद जिले के रहने वाले हैं। पकड़े गए आरोपियों की पहचान निर्मल सिंह निवासी नारायणगढ़, अजय और विक्रम निवासी कालवन के रूप में हुई है। डीएसपी टोहाना जयभगवान ने प्रेस वार्ता में बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी से फतेहाबाद सहित अन्य जिलों से चोरी की गई मोटरसाइकिलों का सुराग लगा है। इस कार्रवाई से थाना शहर टोहाना में दर्ज चोरी के कई पुराने और हालिया मामलों का खुलासा हुआ है। पुलिस ने जैन समाधि अस्पताल के बाहर से चोरी हुई स्प्लेंडर प्लस, हीरो होंडा, सीडी डीलक्स और एक अन्य मोटरसाइकिल बरामद की है। इसके अतिरिक्त, पुलिस ने साल 2016 में एसडीएम कार्यालय टोहाना से चोरी हुई एक स्प्लेंडर प्लस को भी बरामद किया गया है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि यह गिरोह काफी समय से सक्रिय था।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम 11 को

कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा होंगे मुख्य अतिथि

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के उपलक्ष्य में 11 मई को सुबह 9:30 बजे स्थानीय मुल्तानी कॉलोनी स्थित श्री शिव मंदिर में श्रद्धा, उत्साह और गरिमा के साथ भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री रणबीर सिंह गंगवा मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

- प्रशासन कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, पार्किंग एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करेगा

जिला स्तरीय आयोजन को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने को लेकर अतिरिक्त उपायुक्त अर्पित संगल ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर आयोजित कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि कार्यक्रम गरिमामय ढंग से संपन्न हो सके। उन्होंने मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि यह पर्व देशभर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा तथा लोगों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा, जिसे श्रद्धालु लाइव देख और सुन सकेंगे। इसके अतिरिक्त भजन, मंत्र जाप, धार्मिक कथाओं का वाचन तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, पार्किंग एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

फतेहाबाद के तीन खिलाड़ियों का टी-10 क्रिकेट सीरीज के लिए चयन

फतेहाबाद। खेल के मैदान में जिला फतेहाबाद के खिलाड़ियों ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। जिले के युवा क्रिकेट खिलाड़ी संदीप कम्बोज और गांव बहबलपुर के प्रतिभाशाली खिलाड़ी नवदीप सिंह व चंतवीर सिंह का चयन थाईलैंड में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित 'टी-10 क्रिकेट सीरीज सीजन-3' के लिए हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस बड़े टूर्नामेंट में चयन होने से पूरे जिले और खेल जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है। क्षेत्र के लिए सबसे बड़े गर्व की बात यह है कि बहबलपुर के नवदीप सिंह को इस टूर्नामेंट में 'थंडरिंग बफेलोस' टीम की कमान सौंपी गई है। एक ग्रामीण आंचल के खिलाड़ी का कप्तान के तौर पर चयन होना उनकी नेतृत्व क्षमता और खेल कौशल को दर्शाता है। खिलाड़ियों के चयन की खबर मिलते ही इलाके में उत्सव जैसा माहौल है। स्थानीय लोगों और खेल प्रेमियों ने संदीप कम्बोज, नवदीप सिंह और चंतवीर सिंह को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

फतेहाबाद। जिले के तीनों क्रिकेट खिलाड़ी।

शाह सतनाम जी गर्ल्स स्कूल में मनाया मदर्स डे

डांस, पेंटिंग, मॉडलिंग व सिंगिंग प्रतियोगिताओं में माताओं ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

शाह सतनाम जी गर्ल्स स्कूल में मदर्स डे का भव्य एवं हर्षोल्लास पूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान डांस, पेंटिंग, मॉडलिंग, सिंगिंग तथा स्पीच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं की माताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। डांस प्रतियोगिता में टैग नंबर 6 ने प्रथम, टैग नंबर 1 ने द्वितीय तथा टैग नंबर 8 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पेंटिंग प्रतियोगिता में जानवी-प्रियंका ने प्रथम तथा किरत ने द्वितीय स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त विभिन्न आकर्षक टाइटल भी प्रदान किए गए। मिस पंजाबी का खिताब टैग नंबर 7, मिस मदर ऑफ द डे टैग नंबर 3, मिस एलिगेंट टैग नंबर 1, मिस ईव टैग नंबर 5, मिस परफेक्शनिस्ट टैग नंबर 15 तथा मिस हाई हील का टाइटल टैग नंबर 6 को दिया गया। सिंगिंग प्रतियोगिता में टैग नंबर 4 तथा स्पीच प्रतियोगिता में टैग नंबर 1 अव्वल रही।

सिरसा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के साथ माताएं। *फोटो : हरिभूमि*

विजेताओं का चयन कर किया पुरस्कृत

कार्यक्रम में मिस मिलाक्षी खुराना, आंजली वर्मा और सरिता अरोड़ा को निर्णायक मंडल के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं का निष्पक्ष निर्णय देकर विजेताओं का चयन किया। समारोह के अंत में विद्यालय की प्राचार्या डॉ. शीला पुनिया ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। समारोह के दौरान हॉस्टल के बच्चों ने प्राचार्या डॉ. शीला पूनिया के साथ केक काटकर मदर्स डे की खुशियां मनाईं। बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियों, संगीत और मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। अंत में पूरा विद्यालय तालियों और उल्लास से गूंज उठा।

सिरसा। गौशाला कमेटी के प्रधान व सदस्य गोभक्त लक्षमण देमिवाल को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

गोभक्त लक्ष्मण देमिवाल ने गोशाला को एक लाख रुपये का दान दिया

ओढां। गांव नुहियांवाली निवासी एवं गोभक्त लक्ष्मण देमीवाल ने एक बार फिर समाज के सामने सेवा और दान की मिसाल पेश की है। उन्होंने गोशाला कमेटी को 1 लाख वार्षिक दान देकर बड़ा पुण्य कार्य किया। कुछ दिन पूर्व ही उनकी धर्मपत्नी विद्या देवी का निधन हुआ था, लेकिन परिवार आज भी उसी सेवा भाव और गोभक्ति के मार्ग पर चल रहा है। दोनों पति-पत्नी जीवन भर गोसेवा, दान-पुण्य और जनहित के कार्यों में अग्रणी रहे। उन्होंने अपनी पुश्तैनी जमीन 3 कनाल 5 मरले गोशाला में दान कर दी तथा हर वर्ष गोशाला में उदार सहयोग दे रहे हैं। ऐसे दानवीर और गोसेवक समाज के लिए प्रेरणा हैं। गोशाला कमेटी ने कहा कि गोमाता परिवार पर सदैव कृपा बनाए रखें तथा दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। इस अवसर पर उनके पूत्र सीता राम, मास्टर विनोद देमीवाल, गोशाला के कार्यवाहक प्रधान देवीलाल नेहरा, उपप्रधान कृष्ण कुकणा, सचिव सुभाष बिजारणियां, कोषाध्यक्ष औम प्रकाश गोदारा, मास्टर मदन जोशी सहित कमेटी सदस्य औम प्रकाश सुमरा, ख्याली ठेकेदार, कुलदीप गढवाल, सुभाष सुमरा सहित अनेक गौभक्त उपस्थित रहें।

चेक बाउंस मामले में आरोपी गिरफ्तार

हांसी। जिला पुलिस द्वारा अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा अदालत से फरार चल रहे आरोपियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा विशेष अभियान के तहत थाना शहर हांसी पुलिस ने एक उद्घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हनुमान कालोनी निवासी मुकेश कुमार के रूप में हुई है। मुख्य सिपाही विरेन्द्र कुमार ने बताया कि आरोपी मुकेश कुमार के खिलाफ चैक बाउंस का मामला न्यायालय में विचाराधीन था। लेकिन आरोपी अदालत द्वारा निर्धारित तारीखों पर लगातार पेश नहीं हो रहा था तथा जानबूझकर न्यायिक प्रक्रिया से बचने का प्रयास कर रहा था। अदालत द्वारा 9 मई 2025 को उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया था। अदालत के आदेशों की पालना करते हुए पुलिस ने आरोपी मुकेश कुमार को काबू कर न्यायालय में पेश किया गया।

कार्यक्रम धूमधाम से मनाई जयंती, महाराणा प्रताप चौक की मांग को लेकर जताया रोष

महाराणा प्रताप केवल एक राजा नहीं, बल्कि वीरता त्याग और अटूट साहस के थे प्रतीक : प्रवीन चंदेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद में आज वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर क्षत्रिय राजपूत महासभा, मारू राजपूत महासभा और गाडिया लोहार सर्वसमाज के सदस्यों ने सामूहिक रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उपस्थित जनसमूह ने महाराणा प्रताप के जीवन दर्शन और उनके द्वारा दिखाए गए स्वाभिमान व राष्ट्रभक्ति के मार्ग पर चलने का सामूहिक संकल्प लिया। आज के इस जयंती कार्यक्रम का नेतृत्व क्षत्रिय राजपूत महासभा के जिला कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीन चंदेल ने किया। उन्होंने महाराणा प्रताप के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महाराणा प्रताप केवल एक राजा नहीं, बल्कि वीरता, त्याग और अटूट साहस के प्रतीक थे। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी कभी हार नहीं मानी और घास की रोटी खाना स्वीकार किया, लेकिन मातृभूमि के सम्मान के साथ कभी समझौता नहीं किया। उनका जीवन आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का सबसे बड़ा स्रोत है। प्रवीन चंदेल ने स्थानीय प्रशासन और सरकार के प्रति रोष भी व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2019 से महासभा लगातार फतेहाबाद में महाराणा प्रताप चौक की स्थापना और किसी बड़े संस्थान का नाम उनके नाम पर रखने की मांग कर रही हैं। इस संबंध में जिला अध्यक्ष, विधायक, सांसद और नगर परिषद को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार और प्रशासन ने आज तक इस उचित मांग पर कोई ध्यान नहीं दिया है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि वीर नायकों का सम्मान करना समाज और सरकार दोनों की नैतिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम को मारू राजपूत महासभा से रवि राठौड़ और गाडिया लोहार समाज से सुरेन्द्र सिंह ने भी संबोधित किया।

फतेहाबाद। महाराणा प्रताप जयंती कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यगण। *फोटो : हरिभूमि*

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर रमेश चौहान, रणवीर भाटी, रवि राठौड़, परमवीर सिसोदिया, विजय चौहान, मास्टर विरेन्द्र सिंह शेखावत, महेन्द्र राठौड़, रोशन लाल, जगदीश छौकर, सुमित सिसोदिया, पवन चौहान एडवोकेट, सुरेन्द्र सिंह मताना, रघुवीर सिंह राठौड़, रघुराज सिंह राठौड़, विक्रम सिंह राठौड़, दलीप फुलकां, सुरेन्द्र फुलां, ऋषभ सिंह सिसोदिया, गुरमेहर सिंह सिसोदिया, मारू राजपूत महासभा से राहुल राठौड़, रमेश तंवर, दीपक तंवर, रामप्रसाद चौहान, सुरजाराम चौहान और रणजीत सिंह राठौड़ सहित भारी संख्या में अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

नकली सोना गिरवी रख लिया लाखों का लोन

भूना। गोल्ड लोन के नाम पर एचडीएफसी बैंक भूना के साथ हुई लाखों रुपये की धोखाधड़ी के मामले में भूना पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान उचाना की छोटू राम कॉलोनी निवासी अंकित के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 30 हजार रुपये की राशि भी बरामद की है। थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि यह मामला मई 2024 का है आरोपियों ने 4 चूडिय़ां और 1 पेंडेंट, जिनका कुल वजन 122.90 ग्राम था, बैंक में गिरवी रखा और इसके बदले 5 लाख 84 हजार रुपये का लोन हासिल कर लिया। लोन लेने के बाद आरोपियों ने एक भी किस्त का भुगतान नहीं किया।

हेरोइन के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

फतेहाबाद। थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने गांव हिजरावां कलां के पास एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 7.25 ग्राम हेरोइन बरामद की है। पकड़े गए आरोपी की पहचान दलबीर सिंह पुत्र महेंद्र सिंह, निवासी हिजरावां कलां के रूप में हुई है। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि पुलिस टीम बस अड्डा दौलतपुर पर गश्त और अपराध जांच के दौरान मौजूद थी। इसी बीच पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि एक युवक हेरोइन बेचने का काम करता है और वह हंसपुर रोड चौराहे पर किसी ग्राहक के इंतजार में खड़ा है। सूचना को पुख्ता मानते हुए पुलिस टीम ने तत्काल हंसपुर रोड से हिजरावां कलां रोड की ओर घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को काबू कर लिया।

संत निरंकारी मिशन रक्तदान के लिए सम्मानित

सिरसा। रैडक्रास दिवस पर संत निरंकारी मिशन को उत्कृष्ट रक्तदान सेवा के लिए जिला प्रशासन की ओर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान मिशन की ओर से सिरसा क्षेत्र के क्षेत्रीय संचालक सुरेंद्र सिंह ने अन्य महात्माओं के साथ मिलकर प्राप्त किया। सचिव रैडक्रास सोसायटी लाल बहादुर बेनीवाल ने बताया कि रैडक्रास सोसायटी द्वारा लगाए गए रक्तदान शिविर में सन्त निरंकारी मिशन के सेवादारों ने सिरसा व मंडी डबवाली में बढ़ चढक़र भाग लिया। विदित रहे कि सन्त निरंकारी मिशन द्वारा रक्तदान श्रृंखला की शुरूआत 1986 में बाबा गुरबचन सिंह की पावन स्मृति में बाबा हरदेव सिंह की प्रेरणा से की गई।

गुरु नानक अकादमी में मनाया ममता का उत्सव

सिरसा। गांव अभोली स्थित गुरु नानक इंटरनेशनल अकादमी में मातृ दिवस पर एक कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर फायरलेस कुकिंग प्रतियोगिता का विशेष आयोजन किया गया, जिसमें माताओं ने बिना चूल्हे का प्रयोग किए अत्यंत स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन तैयार कर अपनी पाक कला का लोहा मनवाया। कार्यक्रम के दौरान मोबाइल फोन का बढ़ते उपयोग जैसे गंभीर सामाजिक विषय पर भी प्रकाश डाला गया। उत्सव का सबसे रोमांचक और ऊर्जावान हिस्सा म्यूजिकल चेयर गेम रहा। विद्यालय की प्रधानाचार्या सलोनी डुमरा बजाज व उपप्रधानाचार्या गुरमीत कौर ने कहा कि मां बच्चे की पहली गुरु होती है और उसका स्थान ईश्वर से भी ऊपर है।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना: पंजीकरण की अंतिम तिथि आज, 15 को सिरसा से रवाना होगी विशेष ट्रेन

सिरसा। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत श्री हजूर साहिब नांदेड़, महाराष्ट्र के लिए 15 मई को सिरसा से विशेष ट्रेन रवाना होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस ट्रेन को सिरसा से झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। योजना अनुसार वरिष्ठ नागरिक, जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक है और उनकी पारिवारिक आय एक लाख 80 हजार रुपये से कम है, वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। योजना का लाभ उठाने के लिए सरल हरियाणा पोर्टल पर अब 10 मई तक पंजीकरण किया जा सकता है। पात्र व्यक्ति नजदीकी सीएससी सेंटर या अपने स्मार्ट फोन से सरल हरियाणा पोर्टल पर घर बैठे इस निःशुल्क यात्रा के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत आवेदन करने के लिए कुछ आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य किए गए हैं, जिनमें वैध फोटो पहचान पत्र, परिवार पहचान पत्र, यात्रा के लिए स्वस्थ होने संबंधी प्रमाण तथा पिछले तीन वर्षों में योजना का लाभ न लेने की घोषणा शामिल है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए मुफ्त सेवा कानून का प्रावधान

लोक अदालत में चार साल पुरानी कड़वाहट खत्म, फिर जुड़े दो परिवार

1.15 करोड़ रुपये के अवार्ड पास, प्री-लिटिगेशन के 15838 मामलों में से 11494 का निपटारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर के न्यायिक परिसरों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया। शनिवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित लोक अदालत में जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल ने निरीक्षण कर मामलों के निपटान के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल ने कहा कि हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा समाज के जरूरतमंद व्यक्तियों एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के सदस्यों के लिए मुफ्त सेवा कानून का प्रावधान किया गया है। सीजेएम सुयशा जावा ने बताया कि शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 20160 मामलों की सुनवाई की गई जिसमें से 12535 मामलों का निपटारा किया गया और एक करोड़ 15 लाख 74 हजार 82 रुपये की राशि जुर्माना व अवार्ड के रूप में पास की गई। उन्होंने बताया कि इन मामलों में प्री-लिटिगेशन के 15838 मामलों में से 11494 मामलों का निपटारा किया गया और 45 लाख 65 हजार 90 रुपये की राशि जुर्माना व अवार्ड के रूप में पास की गई। इसी प्रकार से कोर्ट में लंबित मामलों के कुल 4322 मामलों में से 1041 मामलों का निपटारा किया गया और 70 लाख 8 हजार 992 रुपये की राशि जुर्माना व अवार्ड के रूप में पास की गई।

फतेहाबाद। लोक अदालत में दो परिवारों को आपस में मिलवाते न्यायाधीश। फोटो : हरिभूमि

साल 2021 से अलग रह रहे थे दोनों परिवार

राष्ट्रीय लोक अदालत केवल मामलों के निपटारे तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने टूटते परिवार को भी फिर से जोडऩे का काम किया। वर्ष 2021 से अलग रह रहे काफी और संदीप ने परिवार न्यायालय में आपसी सहमति से समझौता कर लिया। दोनों पक्षों के बीच वर्ष 2022 से मुकदमेबाजी चल रही थी, लेकिन लोक अदालत में हुई काउंसिलिंग के बाद उन्होंने पुराने गिले-शिकवे भुलाकर दोबारा साथ रहने का फैसला लिया। खास बात यह रही कि विवाद का असर दोनों परिवारों पर पड़ रहा था, क्योंकि प्रार्थी पक्ष की बहन रचना की शादी संदीप के भाई करण से हुई थी। लंबे समय से दोनों परिवारों में तनाव का माहौल बना हुआ था। लोक अदालत में न्यायिक अधिकारियों की पहल और समझाइश के बाद आखिरकार रिश्तों में आई दूरियां खत्म हो गई। समझौते के बाद दोनों परिवारों ने खुशी जताते हुए अदालत का आभार व्यक्त किया। लोक अदालत में यह मामला लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा और कई लोगों ने इसे रिश्तों को बचाने वाली सकारात्मक पहल बताया।

लोक अदालत में हुआ 37 हजार 247 केसों का निपटारा: सीजेएम

सिरसा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में शनिवार को न्यायालय परिसर सिरसा, उपमंडल न्यायालय परिसर डबवाली व ऐलनाबाद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बागोतिया ने बताया कि इस लोक अदालत में सभी न्यायालयों में विचाराधीन केस निपटारे के लिए रखे गये थे जिनमें मुख्यतः चैक बाउंस, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना, घरेलू विवाद, बिजली व पानी से संबंधित विवाद, दिवानी व फौजदारी विवाद इत्यादि शामिल थे। इस लोक अदालत में न्यायालयों में विचाराधीन एवम प्री लिटिगेशन स्टेज के कुल 41 हजार 416 केसों में से 37 हजार 247 केसों का निपटारा किया गया, जिनमें 7,60,65,411 रुपये की राशि समयोजित की गई। उन्होंने बताया कि नैशनल लोक अदालत में कुल 6 बैंचों का गठन किया गया जिसमें न्यायालय परिसर सिरसा में प्रिंसिपल जज फैमिली कोर्ट कृष्ण कांत, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नवजीत क्लेयर, सिविल जज (सीनियर डिवीजन) सह एसीजेएम प्रवेश सिंगला, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) सह जेएमआईसी रिचू, डबवाली में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) सह जेएमआईसी सुमन पटलैन व ऐलनाबाद में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) एवं जेएमआईसी प्रतीक सिंह ने लोक अदालत लगाई। साथ ही पर्मानेन्ट लोक अदालत पब्लिक यूटिलिटी सर्विसेज सिरसा में गत 6 मई को लोक अदालत लगाई गई जिसकी अध्यक्षता चेयरमैन हरचरन सिंह, सदस्य पवन सुथार एवं सरोज सोनी मेम्बर ने की।सचिव ने बताया कि लोक अदालत की प्रक्रिया बड़ी सरल एवं संक्षिप्त है, क्योंकि इसमें दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर बातचीत द्वारा समझौता करवाया जाता है।

इन कोर्ट में लगी लोक अदालत

उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर एडीजे अमित गर्ग, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय शिखा, एसीजे कम सीजेएम डॉ. मधुर बजाज, सिविल जज कम न्यायिक दंडाधिकारी जोगेंद्र जांगड़ा, उपमंडल रतिया पर सिविल जज कम न्यायिक दंडाधिकारी कुमारी ज्योति तथा टोहाना उपमंडल में सिविल जज कम न्यायिक दंडाधिकारी तनवी गर्ग की कोर्ट में लोक अदालत लगाई गई जिसमें आपराधिक जटिल मामलों, एनआई एक्ट 138, एमएसीटी जिसमें एएआर, ट्रांसपोर्ट केस, वैवाहिक, श्रम, भूमि अधिग्रहण, किराया, बैंक रिकवरी, राजस्व, मनरेगा, बिजली व पानी बिल, वन अधिनियम, आपदा मुआवजा इत्यादि अन्य मामलों की सुनवाई की गई।

कर्मचारियों के साथ पक्षपात न करे प्रदेश सरकार : केवी

डबवाली। कर्मचारियों को समर्थन देने पहुंचे कांग्रेस नेता डॉ. केवी सिंह।

- धरनारत अग्निशमन कर्मचारियों को कांग्रेस नेता ने दिया सर्मथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डबवाली

धरने पर बैठे अग्निशमन कर्मचारियों के बीच शनिवार को कांग्रेस नेता डॉ. केवी सिंह पहुंचे और धरने को अपना समर्थन दिया। डॉ. केवी सिंह ने कहा कि विगत 16 फरवरी को फरीदाबाद स्टील फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में दो अग्निशमन कर्मचारियों तथा एक होमगार्ड जवान की दर्दनाक मृत्यु हो गई थी इसके बाद सरकार ने होमगार्ड जवान को शहीद का दर्जा देकर, परिवार के सदस्य को नौकरी तथा एक करोड़ रूपया सहायता राशि दी थी जिसका हम स्वागत करते हैं, लेकिन वहीं दोनों अग्निशमन कर्मचारीयों की तरफ सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया जो की अति निंदनीय है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से पुलिस कर्मचारी, होमगार्ड जवान अपनी जान पर खेल कर नागरिकों की रक्षा करते हैं, ठीक उसी प्रकार अग्निशमन कर्मचारी भी अपनी जान की परवाह किए बगैर दुर्घटना स्थल पर जाकर आमजन को राहत देने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि मुलाजिम चाहे कच्चा हो या पक्का लेकिन सरकार को पक्षपात नहीं करना चाहिए। डॉ. सिंह ने कहा कि आज डबवाली में अग्निशमन कर्मचारी हड़ताल पर है अगर शहर में कोई दुर्घटना घटित हो जाए तो क्या सरकार उसकी जिम्मेदारी लेगी? ऐसे समय में सरकार को चाहिए कि वह अपना अड़ियल रवैया छोड़ कर्मचारियों से संवाद स्थापित कर उनकी मांगों को मानते हुए जान गंवाने वाले कर्मचारियों को शहीद का दर्जा देने के साथ ही सहायता राशि प्रदान करें।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पवन गर्ग, विनोद बंसल, सुमित अनेजा, विजय वर्मा, सोनू मोगा, मंगत बंसल, सुनील रहेजा, गुरमेल बराड, मुख्तियार सिंह, डॉ. मदन, डॉ.अमरजीत, हरबंस लाल कैथ, गुरदर्शन सिंह, मास्टर सुखवंत चीमा, हरप्रीत सिंह सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

सीडीएलयू में नाटक मुक्तिधाम का मंचन

- छात्रों ने नाटक से अभिनय, सामूहिक प्रस्तुति का किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स विभाग के विद्यार्थियों ने प्रैक्टिकल वर्क एंड प्रोडक्शंस के अंतर्गत नाट्य प्रस्तुति मुक्तिधाम का मंचन सहायक प्रो. कर्ण लढा के निर्देशन में किया। विद्यार्थियों ने पूरे समर्पण, अनुशासन एवं मेहनत के साथ अभ्यास कर प्रस्तुति को प्रभावशाली बनाया। इस नाट्य प्रस्तुति में चौथे सेमेस्टर के विद्यार्थियों में आदित्य अग्रवाल, आंचल चौधरी, यौवन बंसल, तरसेम सिंह, हरमन सिंह, हरजीत सिंह, हंसराज, अभिषेक वर्मा एवं गंगन ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई। वहीं दूसरे सेमेस्टर के विद्यार्थियों में दुष्यंत सिंह, मुस्कान, जश्नप्रीत सिंह, अनमोल तथा अमित कुमार ने भी मंच पर पात्रों के रूप में एवं मंच के पीछे सहायक के रूप में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। नाटक मुक्तिधाम के माध्यम से विद्यार्थियों ने अभिनय, मंच संचालन, संवाद अदायगी तथा सामूहिक प्रस्तुति की उत्कृष्ट क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। निर्देशक एवं सहायक प्रो. कर्ण लढा ने कुलगुरु डॉ. विजय कुमार, प्रो. मोहम्मद काशिफ किदवई, प्रो. मंजू नेहरा का इस नाट्य प्रस्तुति के आयोजन में सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया।

सिरसा। नाटक का मंचन करते हुए कलाकार। फोटो : हरिभूमि

फतेहाबाद व टोहाना में हेरोइन के साथ दो पकड़े

फतेहाबाद। जिला पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाइयों में दो तस्करों को गिरफ्तार कर हेरोइन बरामद की है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि गांव हिजरावां कलां निवासी दलबीर सिंह हेरोइन बेचने की फिराक में हंसपुर रोड चौराहे पर खड़ा है। पुलिस ने तुरंत घेराबंदी कर आरोपी को काबू किया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 7.25 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। सीआईए प्रभारी उप-निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि तो मनियाना रोड के पास एक युवक पुलिस की गाड़ी देखकर भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे कुछ ही दूरी पर दबोच लिया।

ग्रामीण सफाई कर्मचारी 12 को फतेहाबाद शहर में सड़कों पर उतरकर करेंगे प्रदर्शन

- 13 को राज्य स्तरीय बैठक में लिया जाएगा अंतिम निर्णय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए बड़े आंदोलन का ऐलान कर दिया है। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर 12 मई को ग्रामीण सफाई कर्मचारियों द्वारा फतेहाबाद में सडक़ों पर उतरकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए यूनियन के जिला प्रधान सुनील कुमार ने बताया कि यह निर्णय यूनियन की राज्य कमेटी की ऑनलाइन हुई बैठक में लिया गया। राज्य प्रधान बसाऊराम की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रदर्शन के अगले ही दिन 13 मई को रोहतक में राज्य स्तरीय कार्यकर्ता मीटिंग बुलाई गई है, जिसमें आगामी तीखे आंदोलन और हड़ताल को लेकर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। जिला प्रधान सुनील कुमार व सीटू नेता बेगराज ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा।

पुलिस के दम पर हड़ताल को कुचल रही सरकार

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में चल रही नगरपालिका कर्मचारियों की हड़ताल को सरकार पुलिस के दम पर कुचलना चाहती है और जानबूझकर समाधान में देरी कर रही है, जिसे अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नेताओं ने कहा कि उच्च न्यायालय ने 31 दिसंबर को आदेश दिया था कि 10 साल से कार्यरत सफाई कर्मियों को स्थाई कर उन्हें सभी लाभ दिए जाएं और इस प्रक्रिया को 28 फरवरी तक पूरा करने को कहा था, लेकिन सरकार ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। मुख्यमंत्री पर घोषणामंत्री होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि 24 नवंबर 2024 को जींद में डीएससी सम्मेलन के दौरान ग्रामीण सफाई कर्मियों के लिए 26 हजार और शहरी कर्मियों के लिए 27 हजार रुपये वेतन की घोषणा की गई थी, जो अब तक कागजों तक ही सीमित है। इसी तरह 11 जून 2025 को की गई 2100 रुपये की बढ़ोतरी भी लागू नहीं हुई है।

जिले के सरकारी स्कूलों में 12 से गूंजेगी लोक संस्कृति की थाप

- विजेता 14 से 25 जुलाई तक ब्लॉक स्तर पर दिखाएंगे प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

हरियाणा विद्यालय शिक्षा निदेशालय के आदेशानुसार, फतेहाबाद जिले के सभी सरकारी स्कूलों में आगामी 12 मई से कल्चरल फेस्ट-2026 का भव्य आगाज होने जा रहा है। 5वीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस 10 दिवसीय उत्सव में जिले की लोक कला और सांस्कृतिक विरासत की अनूठी झलक देखने को मिलेगी। शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित शेड्यूल के अनुसार, यह प्रतियोगिता जिला स्तर तक पहुंचने से पहले तीन चरणों से गुजरेगी। स्कूल स्तर पर 12 मई से 22 मई तक आयोजित होगी, जिसमें हर स्कूल अपने प्रतिभाशाली बच्चों का चयन करेगा। स्कूल स्तर के विजेता 14 जुलाई से 25 जुलाई के बीच ब्लॉक स्तर पर अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। अंत में, 24 से 29 अगस्त तक जिला स्तरीय फाइनल मुकाबले होंगे। इस फेस्ट को दो मुख्य श्रेणियों में बांटा गया है, जूनियर वर्ग कक्षा 5वीं से 8वीं और सीनियर वर्ग कक्षा 9वीं से 12वीं। शिक्षा अधिकारियों के अनुसार, इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को हरियाणवी संस्कृति, जैसे कि रागिनी, लोक नृत्य झूमर, फाग, और पारंपरिक वेशभूषा से रूबरू करवाना है।

मोबाइल शॉप पर बेचा ब्लैक लिस्टेड आई-फोन, धोखाधड़ी में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

- आरोपी के कब्जे से पांच हजार की नकदी बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

एक मोबाइल शॉप मालिक के साथ हुई धोखाधड़ी के मामले में साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 5 हजार रुपये की नकदी बरामद की है। आरोपी की पहचान राहुल पुत्र अमीलाल, निवासी डिंग मंडी, जिला सिरसा के रूप में हुई है ।

साइबर थाना प्रभारी राहुल देव ने बताया कि शहर के बीघड़ चौक स्थित लूना मोबाइल के संचालक दीपक ने पुलिस को शिकायत दी थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपियों ने पहले उनकी दुकान से एक आई-फोन 15 प्रो खरीदा। इसके बाद 10 मई 2025 को आरोपी दुकान पर पहुंचे और फोन बदलने की बात कही। आरोपियों ने अपना पुराना आई-फोन दुकानदार को दे दिया और उसके बदले नया मोबाइल फोन लेकर चले गए। दुकानदार को धोखाधड़ी का पता तब चला जब उसने उस पुराने फोन को किसी अन्य ग्राहक को बेचने के लिए चेक किया। जांच में सामने आया कि वह आई-फोन भारत सरकार द्वारा ब्लैकलिस्टेड किया गया था।

एक आरोपी पहले किया गिरफ्तार

साइबर थाना प्रभारी राहुल देव ने बताया कि शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में एक आरोपी की गिरफ्तारी पहले ही हो चुकी थी। अब पुलिस ने दूसरे सह-आरोपी राहुल निवासी डिंग मंडी, सिरसा को काबू किया है। पुलिस ने आरोपी राहुल से 5 हजार रुपये बरामद किए हैं। पुलिस फिलहाल मामले की गहनता से जांच कर रही है ताकि धोखाधड़ी के इस नेटवर्क का पूरी तरह खुलासा किया जा सके।

प्रदेश में बच्चों के खिलाफ अपराध दर देश में सबसे अधिक : सैलजा

- पिछले वर्ष की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक दर्ज हुए मामले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सांसद कुमारी सैलजा ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की हालिया रिपोर्ट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि हरियाणा न केवल महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में देशभर में बदनाम हो चुका है, बल्कि अब बच्चों के खिलाफ अपराधों में भी देश में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। यह स्थिति अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है। सांसद ने कहा कि एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में हरियाणा में बच्चों के विरुद्ध अपराधों के 7,547 मामले दर्ज हुए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 18 प्रतिशत अधिक हैं। इनमें अपहरण, यौन शोषण, बाल हिंसा और हत्या जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। यह केवल कानून व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि समाज की संवेदनहीनता का भी प्रमाण है। कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की घटनाएं पहले से ही चिंता का विषय बनी हुई हैं। दहेज हत्या, घरेलू हिंसा और उत्पीडऩ के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। अब बच्चों के खिलाफ अपराधों में भी हरियाणा का शीर्ष पर पहुंचना राज्य सरकार की नीतियों और प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

गांव नन्हेड़ी में क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज, ग्रामीण प्रतिभा का प्रदर्शन

नशा मुक्त समाज के लिए युवाओं का खेलों से जुड़ना जरूरी: भवानी

क्रिकेट प्रतियोगिता में क्षेत्र की 32 टीमों ने लिया हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

युवाओं को नशे की गर्त से बाहर निकालने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोडऩे में खेलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। खेल न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य हैं, बल्कि आज के दौर में यह करियर निर्माण का एक बेहतरीन माध्यम भी बन चुके हैं। यह बात महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट एवं नशामुक्ति सेना के संस्थापक भवानी सिंह ने गांव नन्हेड़ी में स्पोट्र्स क्लब द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में नन्हेड़ी और हैदरवाला के बीच हुए सेमिफाइनल मैच का बतौर मुख्य अतिथि शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। गांव नन्हेड़ी में आयोजित इस खेल प्रतियोगिता में आसपास के क्षेत्रों की कुल 32 टीमों ने हिस्सा लिया है, जो अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। कार्यक्रम में पहुंचने पर स्पोट्र्स क्लब के सदस्यों विपिन शर्मा, इन्द्रप्रीत सिंह, सचिन शर्मा, श्यामलाल और पप्पू सरपंच ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। खिलाडिय़ों और उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए भवानी सिंह ने नशाखोरी पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज नशा एक ऐसी सामाजिक बुराई बन चुका है जिसने परिवारों को बर्बादी की कगार पर खड़ा कर दिया है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे नशे जैसी घातक लत से दूर रहकर देश के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान दें। भवानी सिंह ने जोर देकर कहा कि यह हम सबकी सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी है कि हम युवाओं को जागरूक करें और इस जहर को समाज में फैलने से रोकें। युवा शक्ति और नशे के दुष्प्रभावों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की रीढ़ होते हैं, लेकिन जब यही ऊर्जा नशे के अंधकार में भटक जाती है, तो समाज की नींव कमजोर होने लगती है।

फतेहाबाद। गांव नन्हेड़ी में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते भवानी सिंह।

नशे के आदि युवाओं का करा रहे उपचार

भवानी सिंह ने महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट और नशामुक्ति सेना के कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि उनकी संस्था जिले में पुलिस प्रशासन के सहयोग से नशा तस्करों के खिलाफ अभियान चला रही है। समाज के दुश्मन बने इन तस्करों को पकड़वाने के साथ-साथ संस्था नशे की लत में फंसे युवाओं का उपचार करवा रही है। उन्हें मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ खेलों और विभिन्न सामाजिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है ताकि वे पुनः एक सम्मानजनक जीवन जी सकें। इस अवसर पर पारस सिंगला, ललित कुमार, रविदत्त, अमन राघव, नीलु ठाकुर, पुरूषोतम सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति और ग्रामीण मौजूद रहे। टूर्नामेंट में रोमांचक सेमिफाइनल मैच को लेकर खिलाडिय़ों में भारी उत्साह देखने को मिला और मुख्य अतिथि ने टॉस करवाकर सेमिफाइनल मैच की विधिवत शुरुआत करवाई।

हरिभूमि रविवार भारती

haribhoomi.com

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक,रविवार 10 मई 2026

मातृ दिवस विशेष

मां की ममता, उसके प्रेम, उसके समर्पण और उसके त्याग की कोई सीमा नहीं होती है। हर हाल में अपनी संतान का हित, उसके सुख और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की महानता का कितना भी बखान किया जाए कम ही होगा। आइए आज मातृ दिवस के अवसर पर हम सब संकल्प करें कि अपनी मां को हमेशा खुश रखेंगे, उनकी हर इच्छा को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

आवरण कथा

सरस्वती रमेश

मां त्याग-प्रेम की मूरत है सबसे अनमोल

प्रकृति की हर कृति अपने आप में अनूठी और अनमोल है। लेकिन मां की बात ही कुछ अलग है। मां को प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ कृति कहें तो अतिश्योक्ति न होगी। मां की ममता के समक्ष दुनिया के सारे ऐशो-आराम, स्वर्गीय सुख, चमक-दमक फीके हैं। मां के स्नेह में, ममता में जो सुख, तृप्ति और सुकून होता है, उसे दुनिया की कोई शय नहीं दे सकती। इसीलिए उस शख्स को दुनिया में सबसे खुशनसीब माना जाता है, जिसके सिर पर मां की ममता का साया होता है। सच कहें तो मां की उपस्थिति, स्वर्ग से भी अधिक आलौकिक अनुभूति देती है। मां की इस दिव्यता को, विशेषता को मुनव्वर राणा ने अपने एक शेर में यूं समेटा है-

चलती-फिरती हुई आंखों से अज़ां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है, मां देखी है।

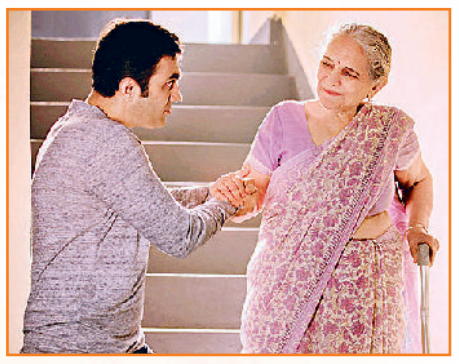

भावनाओं का दरिया है मां: हर मां के हृदय में भावनाओं का दरिया उमड़ता रहता है। यही भावनाएं मां और उसकी संतान के मध्य अनिर्वचनीय रिश्ता कायम करती हैं। एक ऐसा रिश्ता, जिसमें संसार के सभी रिश्तों की तासीर को महसूस किया जा सकता है। एक मां की उसके संतान के प्रति जैसी तड़प, प्रेम, चिंता, समर्पण और त्याग की भावना होती है, ऐसी भावना किसी और रिश्ते-नाते में नहीं देखी जा सकती है। मां अपने बच्चे की सिर्फ जन्मदात्री नहीं होती। वह उसकी प्रथम गुरु, संरक्षक, दोस्त, पालनकर्ता और मार्गदर्शक भी होती है। एक बच्चे को अपनी मां से वह सब कुछ मिलता है, जिसकी उसे वर्तमान में जरूरत है और भविष्य में जरूरत पड़ने की संभावना होती है। वैसे तो बच्चे के इर्द-गिर्द ढेर सारे संबंधों की कतार होती है। लेकिन अपनी मां से उसे जो प्राप्त होता है, उसकी भरपाई दुनिया का कोई भी रिश्ता नहीं कर सकता। नेल्सन मंडेला के शब्दों में कहें तो, 'मां का प्यार सबसे ऊंचा, अशेष और अनपेक्षित होता है।'

रुई के फाहे सा स्नेह: मां का प्यार, उसका स्नेह रुई के फाहे जैसा मुलायम और निर्दोष होता है। वह बच्चे की जरा-सी चोट पर विह्वल होने लगता है। बच्चे को जरा सी भी तकलीफ हो तो मां का मन विचलित होने लगता है। उसका प्यार देखना हो तो उसकी चिंताओं को गौर से देखिए। बच्चे की हर पल की जरूरतों के लिए मां किस हद तक फिक्रमंद होती है। उसकी दिनचर्या का निर्धारण बच्चे की जरूरतों के हिसाब से तय होता है। यहां तक कि उसके सोने-जागने का भी। एक लड़कोरी (नवजात की मां) की नींद कभी पूरी नहीं हो पाती। वो टुकड़ों-टुकड़ों में सोती हैं। बच्चे की रोने की एक आवाज पर अपने खाने की थाली सरका कर उसे पहले दूध पिलाती है। बीमार बच्चे की देख-रेख करने में तो मां अपनी भूख, प्यास, नींद तक बिसरा देती है।

कामयाबी के पीछे मां की भूमिका: किसी इंसान की कामयाबी में उसकी मां की भी भूमिका होती है। ज्यादातर सफल और महान लोगों की कामयाबी के पीछे उनकी मांओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दुनिया में ऐसे बेशुमार उदाहरण हैं। अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने संस्मरण में अपनी मां की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में लिखा है,'मेरी मां ने मुझे शिक्षित करने और मेरे भीतर आत्मविश्वास भरने के लिए बहुत मेहनत की। दिन में वह काम पर जाती थीं, इसलिए भोर में चार बजे उठकर मुझे पढ़ाती थीं। हमारी जिंदगी के तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद, मेरी मां ने मुझे हर पल खास महसूस कराया।' ऐसा ही एक और उदाहरण महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन के जीवन में भी देखा जा सकता है। उनके महान आविष्कार को सारी दुनिया जानती है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि जब वह छोटे थे, तो आम बच्चों की तरह समझदार नहीं थे। उनके अध्यापक उन्हें हमेशा मंदबुद्धि कहते थे। जब उनकी मां, नैंसी को यह बात पता लगी तो वो उन्हें स्कूल से निकाल लाईं और घर पर ही पढ़ाने लगीं। कई साल बाद एडिसन ने अपनी डायरी में लिखा, 'मेरी मां ने ही मुझे बनाया। वह बहुत सच्ची थीं। मुझ पर अथाह भरोसा करती थीं। उनके स्नेह को पाकर मुझे लगा कि मेरे पास भी जीने की कोई वजह है। उन्हें मैं निराश नहीं कर सकता था।'

एक मंदबुद्धि बच्चा एक मां के संकल्प, हौसले और स्नेह की बदौलत उस सदी का जीनियस बन गया। उस मां ने अपने मंदबुद्धि बेटे से घृणा नहीं की। उससे प्रेम किया और उस पर विश्वास किया। मां के स्नेह और विश्वास में चमत्कारिक शक्ति होती है, जो संतान के जीवन को संवार देती है। कामयाबी की ऐसी लाखों कहानियां हैं, जिनके पीछे एक मां का यही विश्वास और अथाह प्रेम है।

मां कभी नहीं बदलती: दुनिया पल-पल बदलती रहती है, लेकिन मां जैसी सदियों पहले हुआ करती थीं, अब भी वैसी ही होती हैं। यानी सदियां गुजर गईं लेकिन अपनी संतान के प्रति मां का प्यार, लगाव और समर्पण बरकरार है। अपने बच्चों को सीने से लगाने वाली, आंचल में सहेजने वाली, उनकी सुरक्षा के लिए ढाल बन जाने वाली और उनकी हर गलती को क्षमा कर देने वाली मां की ममता का मोल नहीं है। लेकिन दुःखद है कि आधुनिकता, स्वार्थी सोच के प्रभाव में कई संतानों का व्यवहार अपनी मां प्रति बदल जाता है।

सोचने वाली बात है कि आखिर जब सदियों में मांओं का अपनी संतान से जुड़ाव नहीं बदला तो संतानों का व्यवहार मां के प्रति क्यों बदल गया? ऐसा क्या हो गया कि सभ्यता के विकास ने हमें ऐसी तहजीब सिखाई, जिसने मां का सम्मान करना भुला दिया? दरअसल, सच यह है कि विकास की चकाचौंध में हम निहायत आत्मकेंद्रित और स्वार्थी होते गए हैं। हम मां की ममता जैसे अमूल्य भाव का सम्मान करना भी भूल गए।

मदर्स-डे की महत्ता: संतोष की बात है कि हमारी इस गलती का एहसास कराने के लिए, जीवन में अपनी मां की महत्ता को याद दिलाने के लिए वर्ष में एक दिन मुकर्रर किया गया है। जिसे हम मदर्स-डे के नाम से मनाते हैं। हालांकि मां अपने बच्चों से हर दिन प्रेम, सम्मान व आत्मीयता की हकदार है। बुढ़ापे में जब उसकी हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं, नजर धुंधली हो जाती है और हाथ कांपने लगते हैं, तब उसे अपने बच्चों का साथ व सहारे की जरूरत होती है। ऐसे में मदर्स-डे हमें 'मां' की उस अमूल्य ममता की याद दिलाता हैं। तो आज मदर्स-डे मनाते हुए हम जरूर संकल्प करें कि हम मां को भरपूर प्यार सम्मान न केवल आज, हर दिन देंगे। उसके चेहरे पर मुस्कान लाने का हर संभव प्रयास करेंगे। *

अनुभूति / डॉ. ऋतु सारस्वत

मां के नाम बेटे की पाती

मां अपने बच्चों को केवल पालती-पोसती ही नहीं, बहुत सरल-सहज तरीके से उसके भीतर संस्कारों के बीज भी रोप देती है। इसका एहसास कई बार वर्षों बाद बच्चे को होता है। अपनी मां के प्रति एक बेटा ऐसी ही भावानुभूतियां पत्र के जरिए यहां व्यक्त कर रहा है।

मेरी प्यारी मां

जीवन में पहली बार आपको कुछ लिखकर भेज रहा हूं। सच कहूं तो समझ में नहीं आ रहा कि कहां से शुरुआत करूं? न जाने कितनी बार लिखा और मिटाया है, हर बार लगता है कि मेरे पास कहने के लिए हजारों शब्द हैं, पर उन्हें एक-दूसरे से जोड़ ही नहीं पा रहा। पता है मां, आज मैं बाजार गया था। पढ़ते-पढ़ते थक गया था, सोचा यूं ही थोड़ा घूम लूं। तभी मेरी नजर एक दुकान में रखे बिंदी के छोटे से पैकेट पर पड़ी और मैंने बिना कुछ सोचे ढेर सारी बिंदियां खरीद लीं। जैसे ही उन्हें हाथों में लिया, यूं महसूस हुआ जैसे आपके ममतामयी हाथ मुझे स्पर्श कर रहे हों। आपकी मुस्कुराहट मेरी आंखों के सामने घूमने लगी और मन किया कि दौड़कर आऊं और आपको जोर से गले लगा लूं। मां , आपकी बहुत याद आ रही है। मां, मुझे आज भी याद है, जब भी आप कहीं बाहर से लौटकर घर आती थीं, तो मैं दौड़कर आपकी गोद में चढ़ जाता था। सबसे पहले आपके माथे से आपकी बिंदी उतार देता था। आप हैरान होकर पूछती थीं- 'बेटा, ऐसा क्यों करते हो?' मैं मासूमियत से कह देता था- 'अगर आपके माथे पर बिंदी लगी रही, तो आप फिर से बाहर चली जाओगी' आप मुस्कुरा देती थीं। मैं आपके और करीब सिमट जाता था। पर मां, बिंदी की यह कहानी यहीं तक नहीं थी। एक दिन मैं बहुत गुस्से में स्कूल से घर लौटा था, क्योंकि मेरी गलती न होने पर भी मेरी टीचर ने मुझे बहुत डांटा था। गुस्से में मैंने कह दिया, 'मेरी टीचर बहुत गंदी है' आपने तुरंत मुझे रोका और समझाया कि बड़ों के लिए ऐसे शब्द नहीं बोलते। फिर आपने मुस्कुराकर कहा, 'और अगर शिकायत करनी भी है, तो कम से कम 'बिंदी' तो लगा लो ' आपकी यह बात सुनकर मैं टकटकी लगाकर आपको देखने लगा और मासूमियत से पूछ बैठा, 'तो क्या मां, मुझे किसी की शिकायत करने के लिए खुद बिंदी लगानी होगी?' आप मेरी बात सुनकर हंस-हंसकर लोट-पोट हो गईं और फिर बोलीं, 'अरे बुद्धू, मैं तुम्हें बिंदी लगाने के लिए नहीं कह रही और तुम बिंदी लगाओगे भी कैसे, तुम तो अभी छोटे से बच्चे हो।' मैंने भी तुरंत कहा, 'मां, मैं छोटा तो हूं ही पर मैं तो लड़का हूं, मैं बिंदी कैसे लगा सकता हूं!' मेरी यह बात सुनकर आप फिर जोर-जोर से हंसने लगीं और मैं थोड़ा खिसियाकर बोला, 'मां, प्लीज बताओ ना' तब आपने बड़े प्यार से समझाया, 'देखो, 'है' के ऊपर जब बिंदी लगती है, तो वह 'हैं' बन जाता है, और बड़ों के लिए हमेशा हमें सम्मानजनक शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। 'वह आ रही है' हम अपने किसी दोस्त के लिए कह सकते हैं, लेकिन अगर किसी बड़े के लिए कहना हो, तो हमें कहना चाहिए 'वह आ रही हैं।' और ऐसे ही न जाने आपने मुझे कितने उदाहरण देकर समझाया।

मां, पता नहीं आपके शब्दों में क्या जादू था कि उसके बाद मैं कभी यह 'बिंदी' लगाना भूल ही नहीं पाया। मेरी हर बात में, हर संबोधन में अनजाने में ही वह सम्मान जुड़ता चला गया। आपकी यह 'बिंदी' सच में कमाल की है। मां , यह मुझे बहुत बार बिल्कुल अजनबियों के भी करीब ले आती है। हमारे कॉलेज के चौकीदार भैया हों या कमरे में सफाई करने वाली आंटी जब भी मैं उनसे आदर से बात करता हूं, उनके चेहरे पर जो मुस्कुराहट आती है, वह मेरे मन को एक अलग ही सुकून देती है। एक दिन आंटी ने कहा, 'भैया, आप बहुत अच्छे हैं' और उनके ये शब्द सुनकर मुझे ऐसा लगा जैसे तेज गर्मी में अचानक बारिश हो गई हो। मां, मैं बहुत दिनों से आपको यह बताना चाह रहा था कि आपकी यह 'बिंदी' सचमुच बहुत अच्छी है पर कभी मौका ही नहीं मिला। आज जब इस बिंदी के छोटे से पैकेट को हाथ में लिया, तो लगा जैसे किसी ने मेरे हाथ में कलम थमा दी हो और जो बातें इतने दिनों से मन में थीं, वे अपने आप शब्द बनकर बहने लगीं। मां, सच कहूं आपकी यह 'बिंदी' सिर्फ आपके माथे पर लगकर आपको सुंदर नहीं बनाती बल्कि यह मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत संस्कार बन गई है, जो हर रोज मुझे एक बेहतर इंसान बनने की राह दिखाती है।

थैंक यू सो मच मां!

-आपका बेटा

गजल / डॉ. ओम निश्चल

मां का प्यार

तुम से लिपट कर सो जाऊं मां
तो दुनिया का सुख पाऊं मां।
गोद तुम्हारी ममता का गढ़
कैसे इसको झुठलाऊं मां।
पुलकित दृष्टि तुम्हारी देखूं
आंखों में ही खो जाऊं मां।
चुपके-चुपके जो गाती हो
उस रुनझुन पर बलि जाऊं मां।
मां का प्यार अलौकिक होता
किस-किस को यह बतलाऊं मां।
मुझे छुपा लो अब आंचल में
इसी सृष्टि में रम जाऊं मां।

एआई इमेज

लघुकथाएं

स्वाद मां के हाथों का

मां के हाथ के गट्टे की सब्जी का जवाब ही नहीं!' मुंह में एक कौर डालते हुए शोभा के पति राकेश बोल पड़े।

'मैं कितना भी अच्छा खाना बना लूं, पर पता नहीं क्यों इनके मुंह से मेरी प्रशंसा के एक शब्द भी नहीं निकलते?' यह सोचकर शोभा के मन में कहीं ना कहीं अपनी सासू मां के प्रति ईर्ष्या के भाव बने रहते। उसकी सासू मां इन बातों से अनभिज्ञ आए दिन अपने बेटे के लिए नए-नए पकवान बनाती रहतीं। एक बार शोभा के पिताजी की तबियत ज्यादा खराब हो गई। आनन-फानन में वह मायके चली गई। अपने आठ वर्षीय बेटे को भी साथ नहीं ले जा पाई, क्योंकि उसके एग्जाम चल रहे थे। करीब दस दिन वह अपने मायके में रही। पिताजी की तबियत में सुधार होते ही वह अपने घर लौट आई। जैसे ही वह घर आई, उसका बेटा उससे लिपट गया और बड़ी ही मासूमियत से बोला, 'मम्मा आप इतने दिनों के लिए क्यों चली गई थीं? मुझे दादी के हाथ का खाना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता था।' 'वो क्या है न बहू, बच्चों को अपने मां का हाथ का खाना ही अच्छा लगता है, क्योंकि बच्चा शुरू से ही अपनी मां के हाथ का खाना ज्यादा खाता है। इसलिए उसके मुंह में वहीं स्वाद चढ़ जाता है। इसके अलावा मां का स्नेह और अपनापन भी तो उस खाने में शामिल होता है।' उसकी सासू मां ने सहज स्वर में कहा। 'इतनी छोटी-सी बात वह कैसे नहीं समझ पाई और बेवजह मां-बेटे से हमेशा चिढ़ती रही।' शोभा मन ही मन में बोली। शोभा के पति उसकी भाव-भंगिमा देखकर उसके अंदर चल रहे भावों को भांप गए। इसलिए उसे देखकर मुस्कुराते हुए बोले, 'तुम भी बहुत अच्छा खाना बनाती हो, वो तो मैं तुम्हें चिढ़ाने के लिए तुम्हारे सामने मां की तारीफ करता रहता हूं।' 'अच्छा...जाइए मैं आपसे बात नहीं करूंगी।' कहकर वह गुस्से में अपने कमरे में चली गई। इस पर राकेश भी उसे मनाने के लिए उसके पीछे-पीछे कमरे में पहुंच गए। *

-शीला श्रीवास्तव

पैसे हैं पर मां नहीं

साहब, मेरी पासबुक देखकर बताइए, क्या खाते में पैसे आए हैं?' बूढ़ी महिला ने गिड़गिड़ाते हुए बैंक क्लर्क प्रमोद से विनती की। 'मांजी, आप से कितनी बार कहा कि आपके खाते में बैलेंस ही नहीं है!' प्रमोद झुंझला कर बोला। 'साहब, मैं बहुत गरीब हूं। खाने-पीने के भी पैसे नहीं हैं। मेरा बेटा हर महीने मुझे तीन हजार रुपए भेजता है।' बूढ़ी औरत रोते हुए बोली। 'भेजता रहा होगा, लेकिन पिछले तीन महीनों से उसने एक भी रुपया नहीं भेजा है, माता जी। मैं आपको पैसे कहां से दे दूं?' प्रमोद झल्लाते हुए बोला। उसकी तेज आवाज सुनकर मैनेजर रूपांग मेहता ने अपने केबिन से बाहर आकर पूछा, 'क्या बात है प्रमोद, मांजी को क्या परेशानी है?' 'सर, ये मांजी रोज आकर बैलेंस चेक करने को कहती हैं। इनके खाते में पैसा ही नहीं है, मैं क्या करूं?' प्रमोद ने जवाब दिया। मेहता साहब ने बूढ़ी महिला की ओर देखा। लगभग सत्तर साल की उस महिला की फटी साड़ी, टूटा चश्मा और हाथ में लाठी, उनकी गरीबी को बयां कर रही थी। 'मांजी, आप रोज क्यों आती हैं?' मेहता साहब ने पूछा। वह बूढ़ी महिला बोली, 'मेरा नाम सविता है साहब। दस साल पहले मेरे पति की शराब पीने की वजह से मौत हो गई थी। मैंने चार घरों में काम करके अपने बेटे मयंक को पढ़ाया और उसे कंप्यूटर इंजीनियर बनाया। पिछले साल उसकी शादी हुई और अब वह बेंगलुरु में नौकरी करता है। वह हर महीने तीन हजार रुपए भेजता था, लेकिन तीन महीने से खाते में पैसे आ ही नहीं रहे है। लगता है शायद पैसे गलती से किसी और खाते में जा रहे होंगे। मेरे पास दवा और खाने के भी पैसे नहीं हैं। आंखों में भी मोतियाबिंद है, काम भी नहीं हो पाता।' यह कहते हुए सविता रो पड़ी। मेहता साहब का दिल भर आया। उन्होंने पूछा, 'क्या आप के पास बेटे का नंबर है?' सविता ने एक मुड़ा-तुड़ा कागज उनकी ओर बढ़ा दिया। मेहता साहब ने उस नंबर पर फोन लगाया। दूसरी ओर से फोन उठा तो वह बोले, 'हैलो, मयंक से बात करवा दीजिए।' दूसरी तरफ से किसी महिला ने पूछा, 'मैं उनकी पत्नी माया बोल रही हूं, मयंक बाहर गए हैं। आप कौन बोल रहे हैं?' 'मैं बिलासपुर से बैंक मैनेजर रूपांग मेहता बोल रहा हूं। आपकी सास यहां आई हुई हैं, मयंक ने तीन महीने से उन्हें पैसे नहीं भेजे क्या?' 'अरे सर, कब तक पैसे भेजते रहेंगे उनको? हमारी भी जरूरतें हैं। हम लोग सिंगापुर घूमने का प्लान बना रहे हैं।' माया ने बेरुखी से कहा। 'लेकिन मांजी के पास खाने और दवा के पैसे भी नहीं हैं!' मेहता साहब थोड़ा तल्खी से बोले। 'तो हम क्या करें? क्या हमने उनका ठेका ले रखा है? कहीं भी चली जाएं, किसी वृद्धाश्रम में क्यों नहीं चली जातीं?' इतना कहकर माया ने फोन काट दिया। यह सुनकर मेहता साहब स्तब्ध रह गए। कैसे बेटे-बहू हैं? उन्होंने माताजी से बिना कुछ कहे अपने खाते से तीन हजार रुपए निकाले और सविता को देते हुए कहा, 'लो मांजी, आपके बेटे ने पैसे भेज दिए हैं।' सविता की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे, 'भगवान आप का भला करे।' कह कर वह रो पड़ी। 'अब आप का बेटा हर महीने पैसे भेजेगा।' मेहता साहब बोले। सविता खुश होकर चली गई। उनके जाने के बाद प्रमोद ने आश्चर्य से पूछा, 'सर, आपने अपने पास से पैसे दे दिए?' मेहता साहब भावुक होकर बोले, 'मैं भी गरीब परिवार से हूं। मेरे पिता की मृत्यु के बाद मेरी मां ने मजदूरी करके मुझे पढ़ाया। मैं सोचता था कि जब पैसे कमाऊंगा तो मां के सारे सपने पूरे करूंगा। लेकिन सात साल पहले जब मेरी नौकरी लगी तभी मेरी मां चल बसीं। जब मां थी, तब पैसे नहीं थे और आज पैसे हैं, पर मां नहीं हैं। इसीलिए इस मां की बेबसी मुझसे देखी नहीं गई।' *

-वीरेंद्र बहादुर सिंह

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

ताकि बचा रहे आदमीपन

हाल में युवा कवयित्री रूपम मिश्र का दूसरा कविता संग्रह 'हंसी और देस' प्रकाशित होकर आया है। ये कविताएं हमारे समय, समाज और देश की तमाम स्याह-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। देशज भाषा के रचाव और लोकजीवन के राग ने इन कविताओं के निहितार्थ को और भी प्रभावी बना दिया है। *'जीत के आसार न देखते हुए भी लड़ना/ लड़ाई की परंपरा को जिंदा रखना था।'* जैसी पंक्तियां उस सतत संघर्ष को प्रतिबिंबित करती हैं, जो आदमीपन को बचाए रखने के लिए जरूरी है। यहां स्त्री विमर्श की कोरी नारेबाजी नहीं, सदियों पुरानी उस कंडीशनिंग की पड़ताल की गई है, जिसने स्त्रियों के एक वर्ग को चेतनाशून्य बनाकर हर हाल में पुरुषों की सेविका बनने को बाध्य कर रखा है। *'जो मार खा लेती हैं फिर उठकर उन्हीं मर्दों के लिए सबसे अच्छा अचार/सबसे ज्यादा स्वाद वाली सब्जी बना देती हैं।'* प्रेम को भी रूपम, बनी-बनाई परिभाषा से इतर बिल्कुल अलग भावभूमि पर उतरकर महसूसती और व्यक्त करती हैं। इसकी बानगी *'हमने देखा एक-दूसरे को ऐसे जैसे/भूख की यातना में जिया मनुष्य रोटी को देखता हो।'* जैसी पंक्तियों में देखी जा सकती है। *

पुस्तक: हंसी और देस (कविता संग्रह), **लेखिका:** रूपम मिश्र,
मूल्य: 250 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध खूबसूरत देश किर्गिस्तान

घूमना किसे अच्छा नही लगता! खासकर जब नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध देश में जाने का अवसर मिले। मध्य एशिया में स्थित किर्गिस्तान ऐसा ही एक छोटा सा और बेहद खूबसूरत देश है। हाल में एक सप्ताह की किर्गिस्तान यात्रा से लौटीं लेखिका वहां के अनुभव साझा कर रही हैं अपनी जुबानी।

ट्रैवलॉग

सोनल भारद्वाज

आमतौर पर कहा जाता है कि दुनिया में यदि कहीं स्वर्ग है तो वह देश है स्विटजरलैंड। वैसे हमारा कश्मीर भी कौन सा कम है! लेकिन किस्मत से हाल में हमें एक नए स्वर्ग से रूबरू होने का अवसर मिला, जिसे किर्गिस्तान के नाम से जाना जाता है। इसे मध्य एशिया का स्विटजरलैंड कहते हैं। इस देश का 90 प्रतिशत इलाका पहाड़ी है, जबकि मात्र 10 प्रतिशत आवासीय। 7.50 मिलियन आबादी वाला यह देश सोता कम है, जागता ज्यादा है क्योंकि यहां सूरज शाम 7.30 से 8 के बीच ढलता है।

साफ-सुथरा शहर राजधानी बिश्केक: जब हमारी फ्लाइट ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक के एयरपोर्ट में लैंड किया तो वहां का मौसम बड़ा खुशगवार दिखा। तापमान मात्र आठ डिग्री। बारिश ने हमारा वहां स्वागत किया। अकसर अप्रैल-मई के महीने में वहां बारिश होती है। हल्की ठंड और बारिश की वजह से अप्रैल के महीने में हमें जुलाई-अगस्त का अनुभव हुआ।

एयरपोर्ट से बाहर जिस टैक्सी पर हम बैठे, उसका चालक थोड़ी-बहुत इंग्लिश जानता था, तो हमारा काम आसान हो गया। वैसे वहां के लोग भारतीय फिल्म कलाकारों के बहुत दीवाने हैं। टैक्सी ड्राइवर न केवल थोड़ी-बहुत हिंदी भी बोल ले रहा था बल्कि उसकी टैक्सी में भारतीय फिल्मों के गाने भी बज रहे थे, जिसे हम भी गुनगुनाने लगे।

परिश्रमी-अनुशासित लोग: बिश्केक में घूमने के दौरान हमने महसूस किया कि किर्गिस्तान के नागरिक मेहनती, अनुशासित और स्वच्छता-पसंद हैं। वे ट्रैफिक नियमों का पूरा पालन करते हैं, यही वजह रही है कि हमने जहां एक तरफ गाड़ियों की कतारें देखीं लेकिन कोई हॉर्न बजाता नहीं सुना। व्यस्ततम सड़कों पर जहां एक तरफ गाड़ियों के काफिले थे तो उसी रोड पर बच्चों को बेहिचक साइकिलिंग करते भी देखा। 4 से 5 साल तक के बच्चे भी आराम से सड़कों पर साइकिल पर घूमते मस्ती करते हुए दिखे, क्योंकि सब ट्रैफिक रूल का पालन करते हैं। इसलिए वहां दुर्घटना की संभावना भी काफी कम रहती है। वहां पार्कों में बहुत शांति, धैर्य के साथ ज्यादातर महिला पुरुष अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ बैठे बात करते नजर आते हैं। सड़क के बीचों-बीच पार्कों में चहलकदमी करना इस देश के लोगों को खूब पसंद है। बिश्केक शहर साफ-सुथरा दिखता है, इसकी बड़ी वजह है यहां किसी को गंदगी फेंकते या थूकते हुए देखे जाने पर पांच हजार रुपए का जुर्माना लगता है। शहर में कई बाग-बगीचे हैं। स्थानीय नागरिक इनका उपयोग टहलने, मनोरंजन करने और जॉगिंग करने में करते हैं।

तियान शान पर्वतमाला में स्थित इसिक कूल झील

दुनिया की सबसे बड़ी प्राइवेट मेडिकल यूनिवर्सिटी: एयरपोर्ट से होटल पहुंचने तक राजधानी बिश्केक की खूबसूरती के हमने कई नजारे देखे। भारतीय दूतावास पर अपना राष्ट्र ध्वज तिरंगा लहराते देखना, हमारी यात्रा का सबसे गौरवशाली दृश्य था। गीत याद आ गया, 'ऐ देश मेरे, तेरी शान पे सदके...।' कुछ ही देर में हम होटल पहुंच गए। चेकइन करने, फ्रेश होने के बाद हम इंटरनेशनल हायर स्कूल ऑफ मेडिसिन संस्थान (आईएचएसएम) के परिसर की ओर निकल पड़े। बताते चलें कि हम किर्गिस्तान, शैक्षणिक भ्रमण पर गए थे। रूस और किर्गिस्तान, विश्वस्तरीय शिक्षा संस्थान के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। इन्हीं में से एक इंस्टीट्यूट है आईएचएसएम। संस्थान के प्रबंधन ने हमारा स्वागत किर्गिस्तानी रिवाज से किया। स्थानीय युवाओं ने हमें लोकल फोक म्यूजिक 'अलदशपा' सुनाया तो हम सब झूम उठे। हमारी टीम ने वहां पर अध्ययनरत भारतीय विद्यार्थियों से देर तक मुलाकात की। इस संस्थान में भारतीय छात्रों के अलावा, अमेरिका, रूस, जॉर्जिया, चीन, पाकिस्तान जैसे देशों से छात्र एमबीबीएस करने आते हैं, क्योंकि चिकित्सा शिक्षा यहां पर ज्यादा सस्ती और सरल है। आईएचएसएम, किर्गिस्तान में सन 2003 में स्थापित प्राइवेट इंस्टीट्यूट्स में सबसे बड़ा संस्थान है। यहां कैंपस का माहौल, खान-पान, भाषा और संस्कृति, पूरी तरह हिंदुस्तानी परिवेश जैसा लगता है।

इसिक कूल झील-तियान शान पर्वतमाला: आईएचएसएम देखने के बाद हम तियान शान पर्वतमाला के विशाल पहाड़, दुनिया की सबसे ऊंचाई वाले इलाके में स्थित इसिक कुल झील और मनमोहक घाटियां देखने, वहां की सांस्कृतिक विरासत को महसूस करने के लिए लालायित थे। ऊंची पर्वतमालाओं के बीच टेढ़े-मेढ़े रास्तों से गुजरते हुए लगभग 4.30 घंटे के सफर के बाद हम इसिक कूल झील पहुंच गए। किर्गिज भाषा में इसीक्कुल का अर्थ होता है 'गरम झील' जो उत्तर-पूर्वी किर्गिस्तान में, तियान शान पर्वतमाला के बीचों-बीच स्थित है। यह कैस्पियन सागर के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी खारे पानी की झील है। यह झील, गहराई के मामले में भी दुनिया में सातवें नंबर पर आती है। ऐतिहासिक प्रमाण बताते हैं कि झील की गहराई में 2,500 साल पुराने एक प्राचीन शहर के अवशेष मिले हैं, जो कभी सिल्क रूट (रेशम मार्ग) का एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र था। झील के अलावा यह क्षेत्र अपने क्रिस्टल-क्लियर पानी, बर्फ से ढंकी चोटियों, पैरासेलिंग व ट्यूबिंग जैसी रोमांचक गतिविधियों के लिए भी प्रसिद्ध है। हमने यहां काफी देर रुककर तियान शान और पामीर-अलाई पर्वतमालाओं के भी दर्शन किए। किर्गिज नागरिक प्रकृति से बेहद प्यार करते हैं इसलिए उन्होंने जंगल, पहाड़, नदियों को बचाए रखा है। यही नहीं स्थानीय नागरिकों के आवास भी हरियाली से सजे दिखाई देते हैं।*

भारतीय व्यंजनों का मिला आनंद

किर्गिस्तान का खान-पान पूरी तरह मांसाहार पर केंद्रित है, लेकिन राजधानी बिश्केक में 4 से 5 इंडियन रेस्टोरेंट भी हैं, जो भारतीयों द्वारा ही संचालित किए जा रहे हैं। यहां खाना बनाने वाले शेफ भी भारत से ही बुलाए गए हैं, ताकि भारतीय स्वाद यहां आने वाले छात्रों और अन्य लोगों को मिल सके। यहां पाकिस्तानी नागरिक भी काफी संख्या में हैं। किर्गिस्तान में ड्राय फ्रूट्स और फ्रूट्स बहुत अच्छी क्वालिटी के मिलते हैं, क्योंकि यहां की जमीन में लोग केमिकल उर्वरकों का इस्तेमाल नहीं करते हैं। किर्गिस्तान मूल रूप से मुस्लिम कंट्री है, लेकिन यह मुस्लिम देश होते हुए भी यह महसूस ही नहीं होने देता कि किसी एक परंपरा या धर्म से बंधा हो। किर्गिस्तान में महिला और पुरुष को समान दृष्टि से देखा जाता है, सभी को बराबरी का हक है। स्थानीय बाजारों में महिलाएं व्यापार करती खूब दिखाई देती हैं। अपनी यात्रा के अनुभव के आधार पर हम कह सकते हैं कि केवल नैसर्गिक सौंदर्य के मामले में ही नहीं महिला अधिकार और स्वतंत्रता के मामले में भी दुनिया के लिए किर्गिस्तान, आदर्श देश माना जा सकता है।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

नरेंद्र कुमार

वर्कप्लेस कोई भी हो एंप्लॉई की इंपॉर्टेंस उसके वर्किंग स्टाइल और उसके बिहेवियर से तय होती है। अगर आप भी चाहते हैं कि वर्कप्लेस पर आप सबसे इंपॉर्टेंट एंप्लॉई माने जाएं तो आपको यहां बताए जा रहे सजेशंस को फॉलो करना होगा।

फॉलो करें ऐसी वर्किंग स्टाइल ऑफिस में बढ़ाएं अपनी इंपॉर्टेंस

हर वर्किंग प्रोफेशनल की यह चाहत होती है कि ऑफिस में उसकी इमेज, उसकी वैल्यू दूसरों से अच्छी हो। इंपॉर्टेंट एंप्लॉइज में उसकी गिनती हो। इंपॉर्टेंट एंप्लॉई बनने के लिए खुद को ऐसा बनाएं कि आपके बिना काम स्मूदली न हो पाए या कोई भी जरूरी फैसला लेते समय आपको उसमें शामिल करना जरूरी हो जाए। याद रखिए, यह पोजीशन किसी को खुद ब खुद नहीं मिल जाती बल्कि इस स्थिति में पहुंचने के लिए स्मार्ट और समझदारी से काम करना होता है। इसके अलावा आपमें कुछ क्वालिटीज का होना भी जरूरी है।

रिप्लेसेबल से इरिप्लेसेबल बनिए: हर दफ्तर के दो तरह के एंप्लॉई होते हैं, एक जो केवल अपना काम करते रहते हैं। दूसरे ऐसे एंप्लॉई जिनके बिना ऑफिस के कई काम अटक जाते हैं, कोई बड़ा फैसला नहीं लिया जा सकता है। आपको यह दूसरा कर्मचारी बनना है ताकि आपकी गिनती ऑफिस के सबसे महत्वपूर्ण एंप्लॉइज में हो। ऐसा बनने के लिए आपको कुछ बातें अमल में लानी चाहिए। जैसे दफ्तर में आपका जो दायित्व है, उसके एक्सपर्ट बन जाएं। ऐसी स्किल में कमांड हासिल करें, जो ऑफिस में दूसरे लोगों के पास न हो। ।

प्रॉब्लम सॉल्वर बनिए: दफ्तर में अधिकतर लोग समस्या बताने में माहिर होते हैं। लेकिन इंपॉर्टेंट एंप्लॉई उसे माना जाता है, जो बॉस को प्रॉब्लम तो बताए, साथ ही यह भी कहे कि इस प्रॉब्लम को कैसे सॉल्व किया जा सकता है। हर बॉस को अपने अंडर ऐसे सहयोगी चाहिए होते हैं, जो केवल प्रॉब्लम्स के बारे में ही न बताए, पर उन गलतियों को हल करने की काबिलियत भी रखे। अगर आपको ऑफिस में इंपॉर्टेंट बनना है तो प्रॉब्लम सॉल्वर बनिए, न कि प्रॉब्लम रिपोर्टर।

जिम्मेदार बनिए: जो भी काम आपको मिले, उसे जिम्मेदारी से पूरा करें। उसे न करने या टालने के बहाने न बनाएं। तय समय सीमा के भीतर अगर काम नहीं होता, तो काम करने का भी कोई महत्व नहीं रह जाता है। इसलिए डेडलाइन के भीतर काम पूरा करने की आदत डालें।

काम दिखना भी चाहिए: यह सच है कि अगर आप दिखेंगे नहीं, तो आप महत्वपूर्ण भी नहीं माने जाएंगे। इसलिए काम करें और दफ्तर में महत्वपूर्ण समय पर मौजूद रहें। अपने किए हुए काम की अपडेट उन लोगों तक पहुंचाएं, जिनको आपके द्वारा किए गए काम से मतलब है। बॉस के साथ होने वाली मीटिंग में बोलें और अपनी बात को संक्षिप्त और स्पष्ट तरीके से सबके सामने रखें। वैल्यू और विजिबिलिटी मिलकर ही किसी एंप्लॉई को उसके वर्कप्लेस में महत्वपूर्ण बनाती है।

बॉस के 'गो टू पर्सन' बनिए: हर दफ्तर में एक या दो लोग ऐसे होते हैं, जिन पर बॉस आंख मूंदकर भरोसा करते हैं, क्योंकि जब-जब मौका मिला, उन्होंने खुद को इसके लायक सही साबित किया होता है। बॉस का 'गो टू पर्सन' बनना मुश्किल नहीं है, सिर्फ करना यह होता है कि बॉस द्वारा दिए गए काम को समय पर, साफ-सुथरे ढंग से और परफेक्ट तरीके से करें ताकि बॉस के काम को आप आसान बना सकें।

अपने संवाद कौशल को बढ़ाएं: अगर दफ्तर का महत्वपूर्ण कर्मचारी बनना है तो संवाद कला में माहिर होना भी जरूरी है। बात साफ और संक्षिप्त करें। अपने ई-मेल और मैसेज प्रोफेशनल रखें। लोगों को कोई बात समझानी हो तो इस तरह समझाएं कि उन्हें आसानी से आपकी बात समझ में आ जाए। अगर आपमें यह क्षमता है, तो आप निश्चित ही अपने वर्कप्लेस के महत्वपूर्ण एंप्लॉई हैं।

लोगों से कनेक्ट रहें: प्रोफेशनल लाइफ में भी पर्सनल कनेक्शन बनाना जरूरी होता है। जहां भी रहें, वहां हमेशा महत्वपूर्ण लोगों के साथ अपना एक कनेक्ट डेवलप करें। अगर किसी कंपनी के एक विभाग में काम कर रहे हैं, तो अन्य विभाग के कुलीग्स से भी कनेक्ट करें। ये कुछ ऐसे गुण हैं, जिनके होने पर आप अपने दफ्तर के महत्वपूर्ण कर्मचारी बन जाएंगे।*

आज के डिजिटल दौर में रिश्तों की दूरियां कम करने में तकनीक की बड़ी भूमिका हो गई है। तकनीक, मां और उनके दूर रह रहे बच्चों के बीच संवाद को भी नया आयाम दे रही है। इसके विविध पहलुओं पर एक नजर।

डिजिटल दौर में मिल रहा मां-बच्चे के रिश्ते को नया आयाम

टेक्नो-इंपैक्ट

नम्रता नदीम

एक समय था, जब मां की आवाज घर के आंगन से आती थी, रसोई से आती थी, दरवाजे के पार वाली देहरी से आती थी और चेहरे की झलक से ही सारे स्नेह की भाषा पढ़ ली जाती थी। आज बच्चे पढ़ाई के लिए, नौकरी या बेहतर अवसरों की तलाश में, घर से दूर दूसरे शहर या दूसरे देशों में भी रह रहे हैं। ऐसे में मांएं अपने बच्चों से आधुनिक संचार तकनीक के जरिए ही जुड़ी होती हैं। ऐसे ही तकनीकी साधनों में व्हाट्सएप, वीडियो कॉल और सोशल मीडिया के तमाम दूसरे माध्यम उपलब्ध हैं।

डिजिटल युग में रिश्तों का नया आयाम: आज तकनीक बदल गई है, जीवन जीने का ढंग बदल गया है। डिजिटल युग ने रिश्तों को एक नया आयाम दिया है और इसमें मां का उसके बच्चों के साथ रिश्ता भी शामिल है। वास्तव में सूचना तकनीक ने बच्चों और मां के रिश्तों में अभूतपूर्व बदलाव ला दिया है। आज बच्चे देश-विदेश में कहीं हों, जब उन्हें मां की याद आती है, झट वीडियो कॉल लगा देते हैं और सामने मां दिखने लगती है। मां को सामने देखते हुए बात करने पर लगता है कि जैसे कोई दूरी ही न हो। बच्चों को यह एहसास होता है कि जैसे मां उनके बिल्कुल करीब बैठी, उनसे बतिया रही है। उसके चेहरे की हर भाव-भंगिमा को पढ़ने की सुविधा भी नई तकनीक ने उपलब्ध करवा दी है। आज शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में रहने वाली मांएं अपने बच्चों के साथ सहजता से स्मार्ट फोन चलाती हैं। अपने बच्चों को तरह-तरह के व्हाट्सएप मैसेज भेजती हैं। वीडियो कॉल करके उनके हालचाल पूछना, यह जानना कि खाना खाया कि नहीं, खाना खाया तो क्या खाया? और इस सबको सिर्फ सुनने में ही नहीं अपनी आंखों से भी देखने का सुख मांएं आधुनिक मीडिया तकनीक के जरिए ले रही हैं।

सुकून देता है यह बदलाव: आज के दौर की मांओं का अपने बच्चों के साथ डिजिटल रिश्ता बड़ा दिलचस्प हो गया है। वे इसके जरिए न सिर्फ बच्चों के साथ संपर्क में रहती हैं बल्कि आधुनिक जीवन की सारी जरूरी गतिविधियों को भी सीखती हैं या सीखने की कोशिश करती हैं। मैसेजिंग, इमोजी आदि अभिव्यक्ति के इन नए तरीकों से मांएं भी समृद्ध हो रही हैं और इनके बच्चे भी। जब मांएं और बच्चे एक-दूसरे से ऑडियो कॉल पर बात करते हैं, उस समय मां का 'मैं ठीक हूं' कहना और वीडियो कॉल पर 'हां, मैं ठीक हूं' कहने में फर्क होता ही नहीं दिखता भी है। वीडियो कॉल में साफ दिखता है कि मां वाकई ठीक है या नहीं। यह तकनीकी बदलाव सुकून देता है, क्योंकि भले मां और उसके बच्चे के बीच दूरी हो, लेकिन भावनाओं का जुड़ाव इस दूरी के बाद भी डिजिटल तकनीक के जरिए बना रहता है।

ऐसे में बच्चों का भी फर्ज बनता है कि जब वे मां से बात करें तो सिर्फ उसमें शब्द ही न हों या सिर्फ संदेश ही न भेजे जाएं बल्कि मां से बात करने के जरिए अपनी उपस्थिति को भी व्यक्त करें। उन्हें बिना किसी कारण और बिना किसी अनुमान के फोन करें और देर तक बातें करें। इससे मां को बहुत खुशी मिलेगी।

मेल-मिलाप भी है जरूरी: अगर मां आधुनिक डिजिटल तकनीक से पूरी तरह अनभिज्ञ हो, तो कई बार उनके लिए यह बदलाव जटिल हो जाता है। उन्हें व्हाट्सएप्प यूज करना या वीडियो कॉल करना उलझन भरा लग सकता है। इन तकनीकों का उपयोग आज भले ही आम हो गया है, लेकिन मां की भावनाएं अब भी पारंपरिक हैं। देखा जाए तो तकनीक ने संवाद को चाहे जितना आसान बनाया हो, लेकिन संवाद की गइराई को कम कर दिया है। मांएं अपने बच्चों के साथ गहरा भावनात्मक जुड़ाव चाहती हैं। मां-बच्चे का भले ही लगातार फोन से संपर्क बना रहे। इस फोन से रिश्तों का कारवां भले ठीकठाक चलता दिखे, लेकिन मां-बच्चे के इस रिश्ते में वास्तविक मेल-मिलाप बहुत जरूरी होती है। तकनीक चाहे जितनी जीवंत लगे, मां के साथ साल में कुछ दिन जरूर गुजारें। इससे इस डिजिटल दौर में मां और आपके बीच रिश्तों की ऊर्जा जीवंत बनी रहेगी। यानी तकनीक का उपयोग करने पर भौतिक संपर्क की महत्ता को अनावश्यक मानना गलत है। इसलिए जब आप वास्तव में अपनी जॉब या पढ़ाई की वजह से दूर हों तब तो तकनीक का यूज ठीक है लेकिन मौका मिलने पर मां से जरूर मिलें।*

तकनीक से मिलता है मां को सुकून

- विभिन्न सर्वेक्षणों के दौरान यह देखा गया है कि 99 फीसदी मांएं घर से बाहर रह रहे अपने बच्चों से हर दिन बातें करती हैं। इनमें से करीब आधी तो हर दिन एक बार वीडियो कॉल भी करती हैं।
- जब मांएं डिजिटल तकनीक के जरिए बच्चों से वीडियो कॉल के जरिए बात करती हैं, तो वह सिर्फ उनका चेहरा भर नहीं देखतीं, उनकी खुशी, उनका दुःख, उनकी सेहत सब कुछ वो देख लेती हैं, इससे उन्हें सुकून और तसल्ली मिलती है।

मातृ दिवस विशेष

सिने ट्रेंड

हर्ष

हिंदी फिल्मों और फिल्मी गीतों में मां के महत्व को खूबसूरती और प्रमुखता से उभारा जाता रहा है। खासतौर पर फिल्मों में मां पर केंद्रित कई ऐसे हृदयस्पर्शी गीत रचे गए हैं, जो सीधे दिल में उतरते हैं। मां पर केंद्रित दिल को छू लेने वाले ऐसे ही कुछ फिल्मी गीतों पर एक नजर।

मां को समर्पित गीतों से गुलजार है बॉलीवुड

मां और बच्चे का संबंध बीज और वृक्ष के संबंध जैसा गहरा, विस्तृत और अविवेचनीय होता है। इसलिए मां और बच्चे के बीच अनोखे रिश्ते को शब्दों में व्यक्त कर पाना आसान नहीं है। फिर भी बॉलीवुड फिल्मों में अनेक गीतकारों ने समय-समय पर इस अनोखे प्यारे रिश्ते को अपने भावपूर्ण गीतों में व्यक्त किया है।

तुझे सब है पता, है न मां: प्रसून जोशी का लिखा और शंकर महादेवन का गाया गाना *'तुझे सब है पता, है न मां..'* फिल्म 'तारे जमीन पर' का है। यह गीत हर किसी के दिल को छूता है। जैसे यह गीत न हो हर बच्चे के दिल से निकली आवाज हो। हम सब ऐसे ही तो होते हैं बचपन में, जो बात अपनी मां से किसी कारणवश नहीं कह पाते उस बात को भी हमारी मां जान लेती है। भूख लगने पर हमें क्या खाना है, यह हमसे बेहतर हमारी मां को पता होता है। हमारी खुशी-गम, डर-चिंता, पसंद-नापसंद सब से वाकिफ होती है हमारी मां। *'मैं तुझे बतलाता नहीं, पर अंधेरे से डरता हूं मैं मां/तुझे सब है पता, है न मां'* एक बच्चे की मासूम पुकार है यह गीत, जो हर मां की रूह तक पहुंचता है।

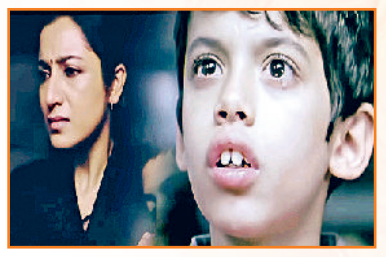

फिल्म 'तारे जमीं पर'

फिल्म 'रंग दे बसंती'

तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है: 'राजा और रंक' फिल्म का यह गीत *'तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है..'* अभिनेत्री निरूपा राय और बाल कलाकार महेश कोठारे पर फिल्माया गया है। लता मंगेशकर की मनमोहक आवाज ने गाने के बोल में मां के लिए प्रयोग किए गए प्रतीकों और शब्दों को और भी मुलायम और हृदयस्पर्शी बना दिया है। मां असल में क्या होती है, उसकी विशाल हृदयता और उसकी ममता की उदात्तता को इस छोटे से गीत में समेट कर गागर में सागर भर दिया गया है। आनंद बख्शी के लिखे इस गीत को संगीतबद्ध किया है संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने।

फिल्म 'राजा और रंक'

तेरी उंगली पकड़ के चला, ममता के आंचल में पला: 'लाडला' फिल्म का गीत *'तेरी उंगली पकड़ के चला, ममता के आंचल में पला..'* एक बेटे की भावुक स्वीकारोक्ति है। वह स्वीकार करता है कि जीवन पथ पर उसकी मां ने उसे चलना सिखाया। जीवन के इस सफर में मिलने वाली धूप से बचाने के लिए हर वक्त मां ने उसे अपनी ममता की छांव तले सहेज कर रखा। मां के बिना उसका जीवन कुछ भी नहीं। मां और उसके बेटे के बीच मधुर रिश्ते की चाशनी में

फिल्म 'लाडला'

छनकर निकला यह गीत जितना अर्थपूर्ण है उतना सुरीला भी। यह गीत फरीदा जलाल और अनिल कपूर पर फिल्माया गया है। समीर के लिखे इस गीत को उदित नारायण और ज्योत्सना ने अपनी आवाज दी है।

लुका छुपी बहुत हुई, सामने आ जा ना: फिल्म 'रंग दे बसंती' में प्रसून जोशी का लिखा गीत, *'लुका छुपी बहुत हुई, सामने आ जा ना..'* बेटे की मौत पर एक मां की व्याकुलता और ममता को एक साथ जोड़ने का कमाल करता है। गीत में मां अपने बेटे से संवाद करते हुए कहती है, *'लुका छुपी बहुत हुई/सामने आ जा ना/कहां-कहां ढूंढा तुझे/थक गई है तेरी मां'*।

गीत के दृश्य में बेटे की चिता सामने जल रही है और मां इस सदमे से अपनी सुध-बुध खो बैठती है। उसके कलपते हृदय से बोल निकल रहे हैं- *'आजा सांझ हुई मुझे तेरी फिकर/धुंधला गई देख मेरी नजर आ जा ना।'* आंखों को नम कर देने वाले इस भाव पूर्ण गीत को गाया है स्वर सम्राज्ञी लता मंगेशकर और एआर रहमान ने।

मां जैसी दुनिया में है कोई कहां: गीतकार अंजान का लिखा और किशोर कुमार का गाया लोकप्रिय गीत *'मां जैसी दुनिया में है कोई कहां..'* फिल्म 'पांच कैदी' का है। इस गीत के जरिए यह भाव प्रकट किया गया है कि मां जैसा दुनिया में कोई नहीं हो सकता। इसीलिए मां को धरती पर साक्षात ईश्वर का स्वरूप माना जाता है। इसीलिए तो मां का स्थान सबसे ऊपर माना जाता है। इन सभी भावों को इस गीत की आगे की पंक्तियों में बड़ी ही खूबसूरती से पिरोया गया है, *'मां तो है मां/मां तो है मां/मां जैसी दुनिया में है कोई कहां/ओ मां ओ मां//मां तू ही मंदिर/मां तू ही पूजा/पूजा का वरदान मां/ये लोक तू है/परलोक तू है/तुझमें है दोनों जहां।'*

फिल्म ' पांच कैदी'

ऐ मां, तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी: मां को भगवान के समतुल्य मानने वाले भावों को वर्ष 1966 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'दादी मां' के एक गीत में भी व्यक्त किया गया है। उस गीत के बोल हैं *'ऐ मां, तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी। उसको नहीं देखा हमने कभी पर इसकी जरूरत क्या होगी..'* मजरूह सुल्तानपुरी के इस भावपूर्ण गीत को संगीत से संवारा था रोशन ने और अपनी आवाज दी थी, महेंद्र कपूर और मन्नाडे ने।*